भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 9 अगस्त - 15 अगस्त, 2023

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

श्रावण (अधिक), पक्ष - कृष्ण, तिथि - अष्टमी, संवत 2080 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-9, अंक-24, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

किस की कीमत क्या है? यह तो जानना ही चाहिए!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

इस संसार में ईश्वर और प्रकृति से उत्पन्न हुई या दी हुई किसी भी वस्तु की कीमत नहीं होती। इसलिए लोग उसकी कीमत को नहीं जानते। मगर वही वस्तु जब मनुष्य के हाथों पड़ जाती है तो उसकी कीमत लग जाती है। आप किसी भी वस्तु को देख लो। ईश्वर की तरफ से सब कुछ निःशुल्क है। पानी, हवा, फल, अन्न, जमीन, पौधे, अनाज, धूप, छांव, बरसात, ऊर्जा, संचार, गति आदि किसी भी वस्तु का ईश्वर हमसे शुल्क नहीं वसूलता। मगर जब यही वस्तु मनुष्य के हाथ पड़ जाती है तो तुरन्त उसकी कीमत वसूलना शुरू हो जाता है। मगर इन अनमोल वस्तुओं के मोल को जरूर पहचानना चाहिए। बात हम कीमत की कर रहे थे। तो आप देखिए कोई विद्यार्थी जब फेल हो जाता है तो क्या कहता है एक साल खराब हो गया। उसके समझ में आया कि एक वर्ष की कीमत क्या है। महीना क्या होता है इसकी कीमत कौन बताएगा, जिसको पिछले महीने वेतन नहीं मिला हो, वह क्या कहेगा पूरा महीने काम किया, मगर वेतन नहीं। उसको समझ आई महीने की कीमत क्या है। कोई बीमार हो जाए और एक सप्ताह तक अस्पताल में पड़ा रहे, उसे एक-एक दिन भारी लगता है। वह बता सकता है कि एक सप्ताह की कीमत क्या है। सप्ताह के बाद आता है दिन। एक दिन की कीमत वह अच्छी तरह से बता सकता है जो दिनभर भूखा रहा हो। उसे पता चलता है कि भूखे पेट दिन कैसे निकलता है। अगर किसी ने किसी का एक घंटे इंतजार किया हो तो वह बता सकता है कि एक घंटे तक इंतजार करना कितना भारी है और उसकी कीमत क्या है। कई लोग कहते हैं कि अरे भाई रुको, एक मिनट में क्या फर्क पड़ता है। हम कहते हैं पड़ता है एक मिनट का भी फर्क पड़ता है। जिसकी एक मिनट पहले ट्रेन निकल गई हो, वह अच्छी तरह से बता सकता है कि एक मिनट की कीमत क्या है। कीमत को अगर कोई समझे तो कीमत तो एक-एक सैकण्ड की होती है। एक सैकण्ड की कीमत वह बता सकता है जो कभी दुर्घटना से बाल-बाल बचा हो। कोई भी वस्तु यहां बिना कीमत नहीं बची है। इसलिए कोई वस्तु हो, समय हो, रिश्ता हो, विद्या हो, अवसर हो। इनको गंवाना नहीं चाहिए। इन सबकी कीमत है। अगर इनकी कीमत को किसी ने नहीं पहचाना तो उसने अपने आपकी कीमत को भी नहीं पहचाना। इसलिए हर किसी को कीमत का महत्व पहचानना चाहिए।

Shivdayalmishra@gmail.com

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव की शुरूआत

कांग्रेस बोली- पीएम का मौनव्रत तोड़ेंगे | भाजपा बोली- सोनिया का एजेंडा बेटे को सेट करना

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज यानी 8 अगस्त को 15वां दिन था। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर शाम 6 बजे तक चर्चा हुई। सबसे पहले कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने अपने अविश्वास प्रस्ताव पर 35 मिनट स्पीच दी। इस दौरान उन्होंने मणिपुर हिंसा से लेकर विदेश नीति तक के मुद्दे पर सरकार को घेरा। गोगोई ने कहा कि प्रस्ताव लाने का मकसद पीएम का मौन तोड़ना है। भाजपा की तरफ से निशिकांत दुबे ने कहा कि सोनिया गांधी का एक ही मकसद है- बेटे को सेट करना और दामाद को भेंट करना। गोगोई ने ये भी कहा कि प्रधानमंत्री को यह स्वीकार करना होगा कि उनकी डबल इंजन

सरकार, मणिपुर में विफल हो गई। इसलिए मणिपुर में 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। राज्य के CM, जिन्हें बातचीत का, शांति और सद्भाव का माहौल बनाना चाहिए था, उन्होंने पिछले 2-3 दिनों में भड़काऊ कदम उठाए हैं जिससे समाज में तनाव पैदा हो गया। इससे पहले सुबह 11 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही 12 बजे तक स्थगित कर दी गई थी। पीएम मोदी अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब 10 अगस्त को दे सकते हैं।

राहुल के प्रस्ताव की शुरुआत न करने पर भाजपा ने चुटकी ली

विश्वास प्रस्ताव की शुरुआत गौरव गोगोई ने जैसे ही की, भाजपा सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। कहा- सुबह सेक्रेटरी जनरल के यहां चिट्ठी आई थी कि राहुल गांधी जी बोलेंगे। हम तो उनके भाषण का इंतजार कर रहे हैं। अब गौरव गोगोई बोल रहे हैं। 5 मिनट में आखिर क्या हो गया।

जागरूक खबरें

आज मानगढ़ धाम आएंगे राहुल गांधी

बांसवाड़ा @ जागरूक जनता। सुप्रीम कोर्ट से मानहानि केस में सजा पर रोक और संसद की सदस्यता बहाली के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की राजस्थान में पहली सभा बुधवार को बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम पर होगी। जनसभा को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस की ओर से मुख्य समारोह मानगढ़ धाम पर होगा, जिसमें राहुल गांधी शामिल होंगे। उनके दोपहर बाद मानगढ़ पहुंचने का कार्यक्रम है। राहुल गांधी की मानगढ़ में सभा के पीछे एक वजह आगामी विधानसभा चुनाव और अगले वर्ष लोकसभा चुनाव है। इस साल के अंत में राजस्थान और मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं, ऐसे में राहुल गांधी की सभा के जरिए आदिवासी मतदाताओं को साधने का प्रयास किया जाएगा।

लड़कियों से छेड़छाड़ करने वालों को नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी

सीएम के आदेश- मनचलों के कैरेक्टर सर्टिफिकेट में लिखा जाएगा ये छेड़छाड़ में शामिल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महिलाओं, लड़कियों और बच्चियों से छेड़छाड़ करने वालों को राजस्थान में अब सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। छेड़छाड़ करने वालों के कैरेक्टर सर्टिफिकेट में इसका उल्लेख किया जाएगा। सर्टिफिकेट खराब होते ही सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। सीएम अशोक गहलोत कानून व्यवस्था की बैठक में अफसरों को आदतन मनचलों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के आदेश दिए हैं। सीएम अशोक गहलोत ने बैठक में अफसरों से कहा- महिलाओं और कमजोर वर्ग के खिलाफ अपराधों को रोकना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। छेड़छाड़ करने वाले मनचलों का रिकॉर्ड रखा जाए। चरित्र प्रमाण पत्र में छेडछाड़ में लिप्त होने का उल्लेख किया जाए। आदतन मनचलों पर सरकारी नौकरी से अयोग्य घोषित करने तक का एक्शन लिया जाए।

चलेगा स्पेशल ऑपरेशन

सीएम ने छेड़छाड़ करने वाले मनचलों के खिलाफ स्पेशल ऑपरेशन चलाने के आदेश दिए हैं। स्कूल, कॉलेजों और बाजारों में मनचलों पर निगरानी के लिए सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मियों को लगाया जाएगा। जिन जगहों पर मनचलों की शिकायतें ज्यादा हैं। वहां पर खास निगरानी रखी जाएगी। स्कूल, कॉलेजों और बाजारों में पॉइंट तय करके वहां निगरानी बढ़ाई जाएगी। जल्द ही प्रदेश भर में मनचलों के खिलाफ बड़ा अभियान चलेगा।

मनचलों का रिकॉर्ड मेंटेन होगा, नियमों में बदलाव करने होंगे

सीएम ने छेड़छाड़ करने वाले मनचलों को सरकारी नौकरी से अयोग्य घोषित करने के आदेश दिए हैं। इसके लिए छेड़छाड़ में शामिल आदतन मनचलों का अलग से रिकॉर्ड रखा जाएगा। ऐसे लोगों के नाम आरपीएससी, कर्मचारी चयन बोर्ड को भेजे जाएंगे। डेटाबेस में ऐसे लोगों के नाम मिलान करके वे अगर नौकरी के लिए अप्लाई करेंगे तो उनके आवेदन ही रिजेक्ट हो जाएंगे। हालांकि, अभी सीएम ने मौखिक आदेश दिए हैं।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- »मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- »सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- »असाध्य घाव/शुगर के घाव
- »कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- »अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- »डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

पितृ दोष दूर करिए | पितृ मोक्ष की राह हुई आसान

16 दिन नियमित कराएं श्री गया जी में पितृ श्राद्ध

श्री गया जी में पूरे पितृ पक्ष के दौरान रहने, खाने एवं रुकने की व्यवस्था, पंडितों की दक्षिणा, 16 दिनों तक हवन, पिंडदान एवं ब्राह्मण भोजन की व्यवस्थाओं के चलते लाखों रुपए का खर्चा होता है। जिसे आम आदमी वहन नहीं कर पाता। इसलिए ऐसे लोगों के लिए नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट ने कम खर्चे में पितृ श्राद्ध जैसा पुण्य कार्य करवाने का बीड़ा उठाया है। प्रत्येक यजमान के साथ पिंडदान कार्य करवाने के लिए अलग से ब्राह्मण की व्यवस्था सहित इसके लिए श्राद्ध कर्म में होने वाले सम्पूर्ण व्यय का आधा खर्चा संस्था वहन करेगी। जिसमें आने-जाने का किराया भी शामिल है। ये व्यवस्था लाखों में नहीं अपितु हजारों में ही हो जाएगी।

पहले आओ, पहले पाओ संख्या सीमित है

आप सोचेंगे कि अभी तो श्राद्ध पक्ष में बहुत समय बाकी है, लेकिन ऐसा नहीं है। श्री गयाजी में अभी से तैयारियां होने लग गई हैं। इसलिए ऐनमौके पर व्यवस्था करने में कठिनाई होती है। अत: श्राद्ध कराने के इच्छुक निम्न नंबरों पर अभी से सम्पर्क कर सकते हैं :-

मो. नं. 8561088777, 9928022718, 9829118962

-: सौजन्य से :-

नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

Natural Immunity Booster

Kabira® Healthy Growth Yellow Mustard Oil

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधी घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधी उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित।
- मोटापा घटाने में लाभदायक।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स।*
- छ: हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेण्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

For Arward Details : Contact 98290-50738

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :

MANISHANKAR OILS PVT LTD

+91 98290 50738
www.manishankaroils.in

ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)

* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)

#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

जागरूक खबरें

प्रदेश में टल सकते हैं छात्रसंघ चुनाव

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में होने वाले छात्रसंघ चुनाव पर असमंजस बना हुआ है। सरकार छात्रसंघ चुनाव नहीं करने का निर्णय ले सकती है। यही कारण है कि अभी तक चुनाव की अधिसूचना जारी नहीं की गई है। दरअसल, विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में सरकार नहीं चाहती कि छात्रसंघ चुनाव के नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर पड़े। इसी आशंका के चलते सरकार बैकफुट पर है। पिछले कई साल के पैटर्न को देखें तो छात्रसंघ चुनाव की अधिसूचना जुलाई के अंतिम सप्ताह में जारी कर दी जाती है और अगस्त के अंत तक चुनाव सम्पन्न करा दिए जाते हैं। अधिसूचना के बाद प्रक्रिया पूरी करने में करीब एक महीना लगता है। लेकिन इस बार अभी तक अधिसूचना जारी नहीं हुई है। वहीं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री राजेंद्र यादव का कहना है कि छात्रसंघ चुनाव को लेकर अभी चिंतन नहीं किया है।

साक्षात्कार का तृतीय चरण 21 से

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2021 की मुख्य परीक्षा में सफल रहे अभ्यर्थियों के साक्षात्कार का तृतीय चरण 21 अगस्त से 6 सितंबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथा समय अपलोड कर दिए जाएंगे।

ऊर्जा 2023

महिला सुरक्षा राज्य व समाज की पहली प्राथमिकता

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेज में प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए 10 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम "ऊर्जा" के छठे दिन का आगाज नई ताजगी के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था के निदेशक डॉ. संजय बियानी के दुर्गा सप्त क्षति के मंत्रोच्चार द्वारा योगा सेशन से की गई। उन्होनें सभी विद्यार्थीयों को सशक्तीकरण की ओर प्रोत्साहित करते हुए मंत्रोचार द्वारा दुर्गा की शक्ति को स्वयं में प्रवाहित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होनें सभी विद्यार्थीयों को योगा का प्रशिक्षण देते हुए योगा के कई आसन करवाए। मौके पर कॉलेज के एडमिनिस्ट्रेशन डीन ध्यान सिंह गोठवाल ने महिला सुरक्षा के बारे में बहुत ही सहजता से सभी विद्यार्थीयों को जानकारी देते हुए उन्होने कहा कि यह एक संवेदनशील टॉपिक है जिसके बारे में लोग सार्वजनिक रूप से बात करने में डरते हैं। लेकिन इस पर बात करना उतना ही जरूरी है जितना की महिला सुरक्षा और उन्होनें छात्र-छात्राओं को यह समझाने की कोशिश की जब हम एक बैलेंस समाज की बात करते हैं तो महिला और पुरुष को समान रूप से अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। साथ ही समाज में लड़का और लड़की दोनों को समान अधिकार दिए जाने चाहिए। फिर चाहे वह शिक्षा का हो या घर में दी जा रही परवरिश का क्योंकि इन सबका सीधा असर महिला सुरक्षा पर पड़ता है।

 # CM Meeting : नए जिलों में एससी-एसटी एक्ट की जांच के लिए डिप्टी एसपी की अध्यक्षता में बनेगी सैल

एससी-एसटी अत्याचार प्रकरणों में संवेदनशीलता से त्वरित जांच हो

महिलाओं एवं बाल अपराधों के लिए एडिशनल एसपी की अध्यक्षता में बनेगी सिकाउ (SIUCAW) यूनिट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मंगलवार को अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत गठित राज्य स्तरीय सतर्कता और मॉनिटरिंग समिति की बैठक हुई। मुख्यमंत्री निवास पर बैठक में श्री गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की संवेदनशीलता और पुलिस की कार्रवाई से एससी-एसटी वर्ग को न्याय सुनिश्चित हो रहा है।

गहलोत ने कहा कि एससी-एसटी अत्याचार के मामलों में पुलिस द्वारा पूरी संवेदनशीलता के साथ बिना किसी दबाव व भयमुक्त होकर त्वरित अनुसंधान कर उन्हें न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस पर आम जनता की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। पुलिस द्वारा तुरंत एक्शन कर अपराधियों की गिरफ्तारियां की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एससी-एसटी के प्रकरणों में एफआर के बाद भी पुलिस द्वारा प्रकरणों के रिव्यू का दायरा और बढ़ाया जाए।

उन्होंने एससी-एसटी के लम्बित प्रकरणों में जांच कम से कम समय में पूरी करने, पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में कदम उठाने, महिलाओं के विरूद्ध अपराधों को रोकने के लिए सामाजिक जनजागृति के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थानों में निर्बाध पंजीकरण के फैसले से संख्या में जरूर वृद्धि हुई है, लेकिन पूरे देश में सराहना भी हो रही है। इससे परिवादियों में पुलिस के प्रति सकारात्मक संदेश पहुंचा है।

बैठक में लिए गए निर्णय

1: नए जिलों में एससी-एसटी एक्ट की जांच के लिए डिप्टी एसपी की अध्यक्षता में सैल बनेगी।
2: महिलाओं एवं बाल अपराधों के लिए एडिशनल एसपी की अध्यक्षता में सिकाउ यूनिट बनेगी।
3: एससी-एसटी एक्ट के प्रकरणों के निस्तारण का समय वर्ष 2017 में 197 दिन था। अब यह समय 64 दिन रह गया है। इसे 60 दिन से भी कम करने के प्रयास किए जाएंगे।
4: एससी-एसटी एक्ट के मामलों में पीड़ित प्रतिकर सहायता का भुगतान समयबद्ध तरीके से हो। केंद्र सरकार से मिलने वाला राशि में विलम्ब होने पर केंद्र सरकार से पत्राचार किया जाएगा।
5. एससी-एसटी एक्ट की एफआईआर के साथ ही पीड़ित को पीड़ित प्रतिकर योजना का लाभ देने के लिए जरूरी जानकारियां भी पुलिस द्वारा तत्समय सुनिश्चित किया जाए।
6. साथ ही, 2 अप्रेल 2018 को हुए आंदोलन में एससी-एसटी वर्ग के विरुद्ध दर्ज अधिकांश मुकदमों को सरकार द्वारा निस्तारण किया जा चुका है। शेष मुकदमों को शीघ्रता से निस्तारण किया जाएगा।
7. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों की संख्या को चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर क्षमता 50 हजार से दोगुनी कर 1 लाख की जाएगी। इसमें बालिकाओं की संख्या को वर्तमान की 15,000 से बढ़ाकर 50,000 एवं बालकों की संख्या को वर्तमान में 35 से 50 हजार किया जाएगा।
8. ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय शुरू करने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है।
9. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावासों में अध्ययनरत बालिकाओं एवं बालकों से मुख्यमंत्री का संवाद कार्यर म किया जाएगा।

बैठक में पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतिकरण ने बताया कि राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों के कारण एससी-एसटी अपराधों में कन्विक्शन रेट 12 प्रतिशत बढ़ी है। राजस्थान में एससी के प्रकरणों में कन्विक्शन रेट 42 प्रतिशत जबकि समस्त भारत का औसत 36 प्रतिशत, एसटी के प्रकरणों में कन्विक्शन रेट 45 प्रतिशत जबकि समस्त भारत का औसत 28 प्रतिशत है। यह देश में सर्वाधिक है।

अस्मि की पुस्तक 'पैशन फ्रूट' का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमन्त्री अशोक गहलोत ने सवाई मानसिंह स्कूल की बारहवीं कक्षा की छात्रा अस्मि धाकड़ की लिखी पुस्तक "पैशन फ्रूट" का विमोचन किया। अस्मि धाकड़ ने पुस्तक की प्रति भी मुख्यमन्त्री को भेंट की। पुस्तक के कथानक के बारे में अस्मि ने मुख्यमंत्री को बताया कि इस पुस्तक में मनुष्य के स्वभाव एवं प्रकृति माँ के परस्पर अंतरसंबंधों का बोध कराती लघु कथाओं एवं काव्यों का संकलन है। यह अस्मि धाकड़ की दूसरी पुस्तक रचना है। अस्मि धाकड के पिता सवाई मान सिंह चिकित्सालय के अस्थि रोग विभाग में वरिष्ठ आचार्य, ट्रोमा सेंटर के प्रभारी हैं एवं माता सवाई मान सिंह चिकित्सालय में बायोकेमिस्ट्री विभाग में वरिष्ठ आचार्य साथ ही सेंट्रल लैब की प्रभारी हैं ।

'मां का दूध नवजात के लिए सर्वोत्तम आहार' नाटक मंचित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व स्तनपान दिवस पर जी. एल. सैनी मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुहाना मंडी रोड, संस्कार भवन मानसरोवर, के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय शिशु स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष में संस्था के निदेशक डॉ. प्रमोद पाल एवं दीपांकर यश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. हितेश गौतम के मार्गदर्शन से 1 अगस्त से 7 अगस्त के अंतर्गत अत्यंत उत्साह के साथ स्तनपान सप्ताह समारोह मनाया। जिसमें विद्यार्थियों ने पोस्टर, नाटक, प्रदर्शनी, प्रतियोगिता आदि के माध्यम से स्तनपान के महत्व व उपयोगिता के बारे में लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। इस दिवस की सन् 2023 का विषय "आइए स्तनपान कराएं और काम करे " के उपलक्ष में संचालनकर्ता धीरज जोशी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा एक नाटक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. मनमीत, कृष्णकांत सोनी, महिमा, धीरज, मुस्कान, राजीव चतुर्वेदी, प्रशांत, लव कुश व रविकांत द्वारा इस विषय के संबंध में अपने विचार व सुझाव विद्यार्थियों को बताएं व कार्यक्रम के समापन पर मिठाई व पुरस्कार वितरण किए गये।

विधायकों की खींचतान में अटका हैरिटेज का कार्यवाहक मेयर!

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम मेयर मुनेश गुर्जर को निलंबित करने के बाद कार्यवाहक मेयर बनाने की तैयारी शुरू हो गई। इस बीच हैरिटेज निगम क्षेत्र के तीन विधायक मेयर व संचालन समिति गठन को लेकर रणनीति बनाने में जुट गए है। हालांकि मेयर के नाम पर इनमें भी अभी तक एकराय नहीं बन पा रही है। उधर, इस मामले को लेकर पार्षद असमंजस में है। सूत्रों की मानें तो हैरिटेज में कांग्रेस के 47 पार्षदों में अभी तक आधे पार्षदों से कोई चर्चा नहीं की गई है।

हैरिटेज नगर निगम में कांग्रेस पार्षद के 47 पार्षद है। जानकारों की मानें तो इनमें से सिर्फ सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के ही कांग्रेसी पार्षद खुलकर इस प्रकरण में मुखर हो रहे है, जबकि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के पार्षद विधायक अमीन कागजी के निर्देश का इंतजार कर रहे है। वहीं आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के कुछ पार्षद भी इस मामले से दूरी बनाए हुए है। हवामहल विधानसभा क्षेत्र और आमेर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी 12 पार्षदों के साथ 4 निर्दलीय पार्षद इस प्रकरण से दूरी बनाए हुए है। इन पार्षदों की मानें तो उनसे अभी तक किसी ने कोई चर्चा नहीं की और न ही अभी तक कोई मिटिंग में इन्हें बुलाया गया।

डिप्टी मेयर बदलने से पहले लेना होगा इस्तीफा!

हैरिटेज नगर निगम में अल्पसंख्यक समुदाय के मेयर बनाने और डिप्टी मेयर को बदलने की चर्चा भी चल रही है। जानकारों की मानें तो डिप्टी मेयर को बदलने से पहले उनसे इस्तीफा लेने होगा, या फिर डिप्टी मेयर खुद इस्तीफा दे तो ही डिप्टी मेयर बदला जा सकता है। अगर डिप्टी मेयर नहीं बदलते है तो मेयर और डिप्टी मेयर दोनों ही पद अल्पसंख्यक समुदाय के पास होंगे।

इस्तीफे को लेकर मेरे से कोई बात नहीं की

हैरिटेज नगर निगम डिप्टी मेयर असलम फारुखी का कहना है कि हटाने की चर्चा मीडिया में ही आ रही है। मेरे पास अभी तक पार्टी से ऐसा कोइ कॉल नहीं आया है। वैसे चुने हुए प्रतिनिधि को कैसे हटा सकते हैं। इस्तीफे को लेकर मेरे से किसी ने कोई बात नहीं की।

संचालन समितियों के गठन की चर्चा

मेयर मुनेश गुर्जर निलबंन के बाद हैरिटेज नगर निगम में कार्यवाहक मेयर बनाने के साथ ही पार्षदों को खुश करने के लिए संचालन समितियों के गठन करने की चर्चा भी तेज हो गई है। अगर संचालन समितियों का गठन होता है तो 2 साल 9 माह बाद पार्षद चेयरमैन बनेंगे। इसके लिए हर विधानसभा क्षेत्र से 6-6 चेयरमैन बनाने की तैयारी जोरशोर से चल रही है।

विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी होंगे लाभांवित

'राज्य मॉडल संदर्भ कक्ष' अब सेठ आनंदीलाल पोद्दार बधिर विद्यालय में संचालित होगा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर सहित 17 जिलों के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सुविधा के लिए अब तक हीरापुरा में श्रीमती कमला देवी बुधिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संचालित 'राज्य मॉडल संदर्भ कक्ष' को जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित सेठ आनंदीलाल पोद्दार राजकीय बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इस पहल से 'राज्य मॉडल संदर्भ कक्ष' से सम्बंधित सभी जिलों के साथ-साथ सेठ आनंदीलाल पोद्दार बधिर विद्यालय के विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को भी मौके पर कई प्रकार की विशिष्ट सेवाएं उपलब्ध हो सकेगी।

यह जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने बताया कि समावेशी शिक्षा में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम- 2016 के तहत दिव्यांगता की समस्त 21 श्रेणियों में विशेष आवश्यकता छात्र-छात्राओं को सम्बलन प्रदान करने के लिए जयपुर में 'राज्य मॉडल संदर्भ कक्ष' सत्र 2022-2023 से संचालित किया जा रहा है। यह केन्द्र जयपुर के अलावा टोंक, दौसा, भरतपुर, अलवर, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, सीकर, बीकानेर, नागौर, बून्दी, अजमेर, हनुमानगढ़, श्री गंगानगर, चुरू, करौली एवं झुंन्झुनू जिलों के विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए संचालित है।

शहर के बीच में आसानी से मिलेगी सेवाएं

शासन सचिव ने बताया कि अब तक इस संदर्भ कक्ष के जयपुर शहर से दूर हीरापुरा में संचालन के कारण इन जिलों से आने वाले संबंधित दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए असुविधाजनक था। साथ ही जेएलएन मार्ग पर चल रहे सेठ आनन्दीलाल पोद्दार राजकीय बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय के विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को भी हीरापुरा तक पहुंचने में काफी परेशानी होती थी और वे बहुत कम संख्या में इसकी सेवाओं का लाभ उठा पाते थे।

पूर्व जज केपी सक्सेना गाया गीत तेरा हुक्क बड़ा बेमिसाल टी-सीरीज ने किया रिलीज

जयपुर @ जागरूक जनता। शहर के सुरीले सिंगर व पूर्व जज केपी सक्सेना की पुरकशिश आवाज में गीत तेरा हुक्का बड़ा बेमिसाल एलबम हाल ही टी-सीरीज, मुंबई ने जारी किया। यहा गीत लता मंगेशकर स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया, जिसे मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर विक्रांत माथुर ने संगीतबद्ध किया है।यह गीत देश विदेश में काफी लोकप्रिय हो रहा है। खासबात यह है कि सिंगर सक्सेना ने गाने के अलावा इस गीत को लिखा भी है। उनके संगीत में योगदान के कारण उन्हें मुंबई की प्रसिद्ध संस्थाएं आईपीआरएस एवं इसरा की सदस्यता प्रदान की गई है। गौरतलब है कि सिंगर केपी सक्सेना की सुरीली आवाज में टी-सीरीज ने अब तक करीब 40 ऑडियो एवं वीडियो भजनों के एलबम जारी किए हैं। बॉलीवुड सिंगर अनुराधा पौडवाल के साथ सिंगर सक्सेना ने मेरे राम... गीत भी गाया है जो पहले ही रिलीज हो चुका है। सक्सेना जिला न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने क्लासिकल संगीत की तालीम भी ली है। सिंगर केपी सक्सेना पिछले कई साल से जयपुर के खास मंचों पर कई प्रतिष्ठित संगीत कार्यक्रमों में प्रस्तुति दे रहे हैं।

ANCHOR **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान**

प्लास्टिक मुक्त हो रहा राजस्थान

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में प्लास्टिक उत्पादों पर रोक, अंदर ले जाने पर जमा करवाने होंगे 50 रुपए प्रति उत्पाद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पक्षियों की नगरी के नाम से जाने वाला जिला भरतपुर में स्थित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में देश विदेशों से हजारों की संख्या में पक्षी प्रतिवर्ष आते है। ऐसे में केवलादेव ने विश्वस्तरीय पर्यटन के क्षेत्र में अपनी अनूठी पहचान कायम की है। स्थानीय भाषा में घना पक्षी विहार के नाम से पहचाने जाने वाला केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान न केवल भरतपुर के लिए बल्कि सम्पूर्ण राज्य के लिए पर्यटन एवं आय का एक बड़ा साधन है।

वेटलैंड्स, ग्रासलेंड्स के साथ इतिहास की घटनाओं को अपने आंचल में समेटे हुए केवलादेव पक्षियों के साथ स्पोटेड डियर, सांभर, अजगर, विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के पेड़ पौधों का घर है। फ्लोरा एंड फोना से समृद्ध घना यूं तो कई बार पानी से कमी से झूझा। परन्तु प्रशासनिक चेतना एवं सतर्कता के साथ समय रहते घना को बचा लिया गया। इस सबके बीच सबसे बड़ी चुनौती थी, केवलादेव को प्लास्टिक से बचाना। पर्यटकों के साथ खाद्य सामग्री एवं पानी की बोतल के रूप में पार्क के अंदर जाने वाला प्लास्टिक कई बार पर्यटकों की न समझी की वजह से पार्क में दिखाई पड़ता जोकि वन्यजीवन के लिए खतरा साबित हो सकता था। हालाँकि

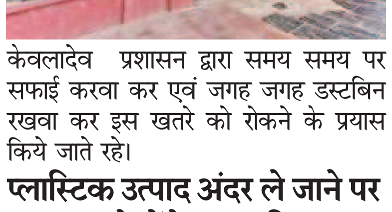

केवलादेव प्रशासन द्वारा समय समय पर सफाई करवा कर एवं जगह जगह डस्टबिन रखवा कर इस खतरे को रोकने के प्रयास किये जाते रहे।

प्लास्टिक उत्पाद अंदर ले जाने पर जमा कराने होंगे ₹50 प्रति उत्पाद

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के उप वन संरक्षक मानस सिंह द्वारा अनूठी पहल कर घना को प्लास्टिक मुक्त करने की दिशा में प्रयास किये जा रहे है। मानस ने उक्त सम्बन्ध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि पर्यटकों द्वारा पार्क में लाये जाने वाले उत्पादों की पार्क के प्रवेश द्वार पर चेकिंग की जाती है। एवं प्रत्येक प्लास्टिक निर्मित उत्पाद पर 50 प्रति उत्पाद फीस जमा कर एक टैग लगा दिया जाता है।जब पर्यटक पार्क भ्रमण कर वापस आते है तो टैग लगे हुए उत्पादों की वापस चेकिंग की जाती है एवं सही संख्या में पाए जाने पर 50 रुपए की फीस वापस कर दी जाती है एवं नहीं पाए जाने पर 50 रुपए जमा कर लिए जाते है। उन्होंने बताया की इस पहल के नतीजन पार्क में प्लास्टिक अब न के बराबर है। जिससे प्लास्टिक प्रदूषण से पार्क को बचाया जा रहा है। उप वन संरक्षक ने बताया कि केवलादेव प्रशासन प्लास्टिक प्रदूषण को लेकर सख्त है एवं इस सन्दर्भ में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को संरक्षित किया जा सके।

पर्यटकों ने कहा कि पार्क में प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षित

केवलादेव प्रशासन के प्रयासों एवं कार्यशैली को देख पार्क में दूर दराज के क्षेत्रों से आने वाले पर्यटक प्राकृतिक पर्यावरण को देख अभिभूत हो गए, लंदन से आयी एक महिला पर्यटक एमा ने कहा कि वो यहाँ के प्राकृतिक माहौल को देख कर अचंभित है, और राजस्थान आने से पहले उन्होंने जिस प्रकार केवलादेव के बारे में सुना था उससे भी काफी बेहतर पाया। उन्होंने कहा कि पार्क में रहने वाले वन्यजीव एवं पक्षियों के साथ मौजूद वेटलैंड्स एवं उन्हें प्रकृति की ओर आकर्षित करते हैं।

1 जुलाई 2022 से राज्य में प्रबंधित है सिंगल यूज़ प्लास्टिक

उल्लेखनीय है कि राज्य में 1 जुलाई 2022 से सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया है एवं इस दिशा में लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। सिंगल यूज़ प्लास्टिक के अंतर्गत ऐसे उत्पाद शामिल होते है, जिनका उपयोग सिर्फ एक बार करने के बाद त्याग दिया जाता है। ऐसे उत्पादों के अंतर्गत प्लेट, कप एवं ग्लास के साथ प्लास्टिक निर्मित ईयर बड्स, प्लास्टिक के झंडे, गुब्बारों में उपयोग में ली जाने वाली प्लास्टिक डंडियां,100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक पीवीसी बैनर,ट्रे, स्ट्रॉ, चाकू, चम्मच,कांटे, आइसक्रीम स्टिक्स आदि शामिल है।

जागरूक खबरें

कनिष्ठ विधि अधिकारी के आवेदन 9 तक

अजमेर @ जागरूक जनता। विधि एवं विधिक कार्य विभाग में कनिष्ठ विधि अधिकारी के 140 पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने जारी हैं। फॉर्म 9 अगस्त को रात्रि 12 बजे तक भरे जा सकेंगे। राजस्थान लोक सेवा आयोग के सचिव आर.एन. मेहता के अनुसार नॉन टीएसपी के 134 तथा टीएसपी के 6 पदों पर भर्ती के लिए आयोग को अभ्यर्थना मिली है। अभ्यर्थी तय तिथि तक ऑनलाइन फॉर्म भर सकेंगे। परीक्षा अक्टूबर में होनी प्रस्तावित है।

रबी सीजन के अल्पकालीन फसली ऋण भुगतान की अंतिम तिथि अब 31 अगस्त

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत प्रदान की है। उन्होंने रबी 2022-23 में वितरित अल्पकालीन फसली ऋणों के भुगतान की अंतिम तिथि को बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। गहलोत की मंजूरी से ऋण अदायगी की अंतिम तिथि को 30 जून, 2023 से बढ़ाकर 31 अगस्त, 2023 अथवा ऋण लेने की दिनांक से 12 माह, जो भी पहले हो, तक बढ़ाया गया है। इससे किसानों को ऋण चुकाने के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य में चक्रवाती तूफान बिपरजोय के कारण प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति एवं नेटवर्क सुविधा बाधित होने, बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं के कारण राहत प्रदान की गई है।

जोधपुर उत्तर क्षेत्र में सड़कों की मरम्मत के लिए 40 करोड़ स्वीकृत

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर नगर निगम (उत्तर) क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत के 68 कार्यों के लिए 40 करोड़ रुपए की वित्तीय सहमति दी है। इस स्वीकृति से क्षेत्र में 47 किलोमीटर की सड़कों के कार्य होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

110 वरिष्ठ नागरिक हवाई यात्रा से हुए पशुपति नाथ मंदिर के लिए रवाना

अब तक 1187 वरिष्ठ नागरिकों ने पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन किये

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना -2023 के तहत प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों का नेपाल के काठमांडू में पशुपतिनाथ मंदिर दर्शन का सपना पूरा हो रहा है। देवस्थान विभाग आयुक्त प्रज्ञा केवलरामानी ने बताया कि 28 जुलाई से शुरू हुई हवाई यात्रा के तहत अब तक प्रदेश के 1187 वरिष्ठ नागरिक भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब तक श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, दौसा, सीकर, प्रतापगढ़, उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, बांसवाड़ा, कोटा के वरिष्ठ नागरिक दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हवाई यात्रा के जरिए पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि 7 अगस्त को कोटा के 110 वरिष्ठ नागरिक यात्रा पर गये हैं। इसी क्रम में मंगलवार को दिल्ली से उड़ान भरने वाली फ्लाइट से झालावाड़ के 85 यात्री व बूंदी के 25 यात्री मंदिर दर्शन हेतु रवाना हुए। उन्होंने कहा तीर्थ यात्रा योजना के तहत रेल यात्रा के जरिए भी अब तक 5701 वरिष्ठ नागरिक रामेश्वरम, गंगासागर, द्वारकापुरी, जगन्नाथपुरी, वैष्णो देवी के दर्शन कर चुके हैं।

 # CM Meeting : मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ली कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक

बे-वक्त खुलने वाले बार, नाइट क्लबों पर सख्त कार्रवाई हो

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि निर्धारित समय से अधिक वक्त तक खुलने वाले बार एवं नाइट क्लबों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इन क्लबों के प्रबंधकों के साथ मालिकों की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर ऐसे क्लबों का लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

गहलोत मुख्यमंत्री निवास पर कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं और कमजोर वर्ग के विरूद्ध अपराधों की रोकथाम हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को स्पेशल ऑपरेशन चलाकर मनचलों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। गहलोत ने कहा कि ऐसे मनचलों का रिकॉर्ड संधारित किया जाए तथा चरित्र प्रमाण पत्र में छेड़छाड़ में लिप्त होने का उल्लेख किया जाए। उन्होंने कहा कि आदतन मनचलों पर सरकारी नौकरी से अयोग्य घोषित करने तक की कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलवाड़ा की घटना दुखद है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की है और अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाने के प्रयास किए जा रहे हैं। गहलोत ने कहा कि उक्त घटना को राजनैतिक रंग देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जो कि उचित नहीं है।

बैठक में गृह राज्य मंत्री राजेन्द्र यादव, मुख्य सचिव उषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव गृह आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा, डीजीपी लॉ एण्ड ऑर्डर राजीव कुमार शर्मा, एडीजी लॉ एण्ड ऑर्डर आनंद श्रीवास्तव, एडीजी क्राइम दिनेश एमएन एवं जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ मौजूद थे।

जल संसाधन विभाग को मिला ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड 2023

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के जल संसाधन विभाग को डिजिटल पहल की श्रेणी में ईटी गवर्नमेंट डिजिटेक अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। राजस्थान को जल के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक के उत्कृष्ट उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्तर पर यह पुरस्कार मिला है। गोवा में आयोजित अवार्ड समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन एवं आईजीएनपी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। बिहार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने विभाग एवं राज्य में सूचना एवं प्रौद्योगिकी में हो रहे नवाचारों के बारे में बताया। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संचालित जल सूचना विज्ञान केंद्र को 'जलवायु/आपदा प्रतिरोधी राज्य/शहर बनाने में डिजिटल पहल' की श्रेणी में यह पुरस्कार मिला है। यह अवार्ड राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित ई-गवर्नेंस पुरस्कारों में से एक है, जिसकी स्थापना ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में किये जा रहे डिजिटल प्रयोग और नवाचारों को पहचान और सम्मान देने के उद्देश्य से की गई है।

मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी

राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी का गठन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी का गठन किया जाएगा। यह अकादमी जैन धर्म के लोक साहित्य के प्रकाशन एवं जैन समुदाय की पुरातात्विक धरोहरों एवं मंदिरों के पुररूद्धार व संरक्षण हेतु कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा अकादमी के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इसके द्वारा प्राकृत एवं जैन भाषा के साहित्य का संरक्षण, संवर्धन तथा अभिवृद्धि के लिए अनेक कार्य किए जाएंगे। जिनमें उच्च स्तरीय ग्रन्थों, पाण्डुलिपियों, साहित्य कोष, शब्दावली एवं ग्रन्थ की निर्देशिका तैयार करना, प्राकृत भाषा का भारतीय भाषाओं में अनुवाद करना, साहित्य सम्मेलन, विचार-गोष्ठियां, परिसंवाद, कवि सम्मेलन, भाषण मालाएं, शिविर, प्रदर्शनियां एवं प्रचार-प्रसार संबंधी समस्त गतिविधियां आयोजित करना, साहित्यकारों को उनकी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए सम्मानित करना आदि कार्य शामिल हैं। साथ ही, यह अकादमी पुस्तकालय, वाचनालय तथा अध्ययन एवं विचार-विमर्श केन्द्र स्थापित करने, प्राकृत भाषा एवं साहित्य के उत्थान के लिए योजनाएं तैयार करने तथा अकादमी के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्य करेगी। अकादमी में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष तथा सचिव सहित 4 अधिकारी होंगे। इनकी नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। साथ ही, अकादमी की एक साधारण सभा होगी। जिसमें उपरोक्त चारों अधिकारियों सहित कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, कॉलेज शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा (प्राथमिक/माध्यमिक) विभाग, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर के उप शासन सचिव/संयुक्त शासन सचिव/आयुक्त/निदेशक अथवा उनके प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार द्वारा मनोनीत 6 प्राकृत भाषा के साहित्यकार, प्राकृत भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु कार्य करने वाली प्रतिष्ठित संस्थाओं के राज्य सरकार द्वारा मनोनीत 3 प्रतिनिधि व सामान्य सभा द्वारा सहवृत्त 7 व्यक्ति अकादमी की साधारण सभा के सदस्य होंगे। इसका मुख्यालय जयपुर अथवा राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान जोधपुर में होगा। अकादमी का प्रशासनिक विभाग कला, सहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग होगा तथा अकादमी का संविधान/नियम निर्मित होने तक प्रमुख शासन सचिव अथवा उनका प्रतिनिधि (संयुक्त शासन सचिव/उप शासन सचिव स्तर का अधिकारी) अकादमी में सरकारी सदस्य के रूप में कार्य सम्पादित करेगा।

RAS (प्री)-2023 एग्जाम 1 अक्टूबर को प्रस्तावित : 6 लाख 97 हजार से ज्यादा केंडिडेट्स ने किया आवेदन, 905 पदों पर भर्ती

अजमेर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (RAS) -2023 का प्रारम्भिक एग्जाम 1 अक्टूबर को प्रस्तावित है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि एग्जाम कार्यक्रम बाद में जारी किया जाएगा। गौरतलब है कि अंतिम तिथि 31 जुलाई 2023 तक 6 लाख 97 हजार 51 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए हैं। राज्य सेवाओं के 424 एवं अधीनस्थ सेवाओं के 481 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन 28 जून को जारी किया गया था।

 # Video Confrence : हवन में आहुतियां दीं, पूजा-अर्चना की, अब 50 जिले

सीएम गहलोत ने किया नए 17 जिलों का उद्घाटन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में 19 नए जिले और तीन संभागों का आज उद्घाटन हो गया। नए जिला मुख्यालय पर उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। सीएम अशोक गहलोत बिरला ऑडिटोरियम में वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंस) के जरिए नए जिलों के उद्घाटन समारोह से जुड़े। सीएम गहलोत ने नए जिलों के उद्घाटन से पहले हवन में आहुतियां दीं और पूजा-अर्चना की।

राजस्व मंत्री रामलाल जाट भी वीसी के जरिए नए जिलों के उद्घाटन समारोहों में जुड़े। इससे पहले सरकार ने 19 नए जिलों और तीन नए संभागों के नोटिफिकेशन जारी कर दिए। गजट नोटिफिकेशन के बाद अब प्रदेश में 50 नए जिले और 10 संभाग हो गए हैं।पहले 33 जिले और सात संभाग थे। 19 नए जिलों की घोषणा की थी। जयपुर और जोधपुर जिले पहले से थे। ऐसे में असल में नए जिले 17 ही बने हैं। जिलों की घोषणा के वक्त जयपुर उत्तर, जयपुर दक्षिण, जोधपुर उत्तर और जोधपुर दक्षिण बनाने की घोषणा की थी। विरोध के बाद बीच का रास्ता निकालते हुए जयपुर, जोधपुर जिलों के नाम बरकरार रखते हुए जयपुर ग्रामीण और जोधपुर ग्रामीण नए जिले बना दिए।

ये नए जिले : अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, केकड़ी, जयपुर ग्रामीण, दूदू, कोटपूतली-बहरोड़, नीम का थाना, खैरथल-तिजारा, सांचौर, डीडवाना-कुचामन, शाहपुरा, जोधपुर ग्रामीण, फलोदी, सलूंबर, गंगापुरसिटी, डीग।

ओएसडी अब कलेक्टर और एसपी

सरकार ने नए जिलों में IAS और IPS अफसरों को ह्रस्ठ (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) लगाया था। नए जिलों का नोटिफिकेशन जारी होते ही अब उनका पद कलेक्टर और एसपी हो गया है। नए जिलों में कलेक्टर, एसपी और जिला लेवल के ऑफिस अस्थायी रूप से बनाए गए हैं।

नए जिलों से सियासी नरेटिव बदलने की कोशिश

गहलोत सरकार ने चुनावी साल में नए जिले बनाकर सियासी नरेटिव बदलने का प्रयास किया है। ब्यावर, कोटपूतली-बहरोड़, नीम का थाना, बालोतरा, डीडवाना-कुचामन, फलोदी सहित कई ऐसे जिले हैं, जिनकी मांग पिछले चार दशक से चल रही थी। जनता की पॉपुलर डिमांड पूरा करके गहलोत सरकार चुनावी साल में सियासी माहौल अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है।

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ जिलों का उद्घाटन

जिलों के उद्घाटन समारोहों में वैदिक विधि विधान और सर्व धर्म के अनुष्ठानों को शामिल किया गया है। कार्यक्रमों में धार्मिक अनुष्ठानों को रखकर भी मैसेज देने का प्रयास किया गया है।

जयपुर और जयपुर ग्रामीण दोनों का मुख्यालय जयपुर रहेगा

नए जिलों के गठन को मंजूरी देने के साथ उनके मुख्यालय भी तय कर दिए गए हैं। जयपुर ग्रामीण और जयपुर दोनों जिलों के मुख्यालय जयपुर में ही रहेंगे। जोधपुर और जोधपुर ग्रामीण, दोनों जिलों के मुख्यालय जोधपुर में ही रहेंगे। डीडवाना-कुचामन का मुख्यालय डीडवाना, कोटपूतली-बहरोड़ का मुख्यालय कोटपूतली-बहरोड़ ही रखा है। खैरथल-तिजारा जिले का मुख्यालय खैरथल होगा।

ANCHOR | **बजट घोषणा**

इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना का आगाज कल से

जयपुर जिले में कुल 28 स्थानों पर होगा शिविरों का आयोजन

जिला मुख्यालय पर 6 एवं 22 पंचायत समिति मुख्यालय पर लगेंगे शिविर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा की अनुपालना में 10 अगस्त 2023 से इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना का आगाज होगा। योजना के तहत चिरंजीवी परिवार की महिलाओं को स्मार्टफोन मय इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध करवाया जाएगा। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि योजना के तहत जयपुर जिले में कुल 28 स्थानों पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला मुख्यालय पर 8 शिविर तो वहीं, 22 शिविरों का आयोजन पंचायत समिति मुख्यालय पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लाभार्थी को शिविर में आते समय अपने साथ अपना जनाधार कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा जनाधार कार्ड में दर्ज मोबाइल फोन लाना आवश्यक होगा। अध्ययनरत छात्रायें अपने साथ आईडी कार्ड/एनरोलमेंट कार्ड, विधवा नारी को पीपीओ साथ लाने होंगे।

यह रहेगी स्मार्ट फोन प्राप्त करने की प्रक्रिया

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के उपनिदेशक ऋतेश कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर में आईजीएसवाई पोर्टल पर लाभार्थी का ई-केवाईसी किया जायेगा। पोर्टल पर लाभार्थी का जनाधार नम्बर डालकर उसके विवरणों को सत्यापित किया जायेगा, सत्यापित होने की दशा में लाभार्थी द्वारा अपने साथ लाये गये मोबाइल फोन पर जनाधार ई-वॉलेट इंस्टॉल किया जायेगा।

इसके बाद लाभार्थी के पैन कार्ड का विवरण आईजीएसवाई पोर्टल पर दर्ज करने के बाद तीन प्रकार के फॉर्म प्रिंट करके उसे दिये जायेंगे। इसके बाद लाभार्थी इन फॉर्म को लेकर मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनी के काउंटर पर जाकर सिम का एवं डाटा प्लान का चयन करेगा, इसके बाद मोबाइल कंपनी के काउंटर पर जाकर अपनी इच्छा अनुसार मोबाइल फोन का चयन करेगा।

इस सब के बाद भरे हुए फॉर्म को लेकर अंतिम काउंटर पर जायेगा जहां उपस्थित कार्मिक उसके फॉर्म में अंकित सूचनायें एवं लाभार्थी द्वारा प्रस्तुत समस्त दस्तावेजों को स्कैन कर आईजीएसवाई पोर्टल पर दर्ज एवं अपलोड करेगा।

यह प्रक्रिया पूरी होते ही लाभार्थी द्वारा लाये गये फोन में पूर्व में इंस्टॉल किये गये ई-वॉलेट में राज्य सरकार द्वारा कुल 6800 रुपये हस्तांतरित कर दिये जायेंगे। इस राशि का उपयोग कर लाभार्थी पूर्व में चयन किये गये मोबाइल फोन तथा सिम प्राप्त कर सकेगा।

यहां राज्य सरकार द्वारा लाभार्थी के ई-वॉलेट में 6125 रुपये मोबाइल फोन के लिये तथा 675 रुपये सिम कार्ड मय इंटरनेट डाटा प्लान के लिये हस्तांतरित किये जायेंगे। राज्य सरकार द्वारा अप्रैल 2024 एवं अप्रैल 2025 में भी इंटरनेट हेतु प्रति वर्ष 900 रुपये हस्तांतरित किये जायेंगे।

साथ ही ऋतेश कुमार शर्मा ने यह भी बताया कि लाभार्थी को शिविर में आते समय उसके जनाधार कार्ड में दर्ज मोबाइल नम्बर वाला मोबाइल उसके साथ लाना आवश्यक होगा। अगर लाभार्थी का मोबाइल नं बदल गया है तो वह शिविर में आने से पूर्व ई-मित्र पर जाकर अपने जनाधार में अपना नया नम्बर दर्ज करवा लें।

सम्पादकीय

राहुल को राहत

भा मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जो कुछ कहा है, उससे एक बार फिर यह साबित हुआ कि भारतीय न्यायपालिका इतनी पाएदार क्यों है और दुनिया भर में उसकी इतनी साख क्यों है? आला अदालत की तीन जजों की पीठ नेनिचली दोनों अदालतों के निर्णय पर टिप्पणी करते हुए स्पष्ट कहा है कि 'ऐसे मामलों में, जब अपराध जमानती हो, तब अधिकतम सजा देने के लिए ट्रायल जज सेठोस कारणों के उल्लेख की उम्मीद की जाती है।' मगर निचली अदालत नेतो यह नहीं ही किया, गुजगु रात हाईकोर्ट नेभी याचिकाकर्ता की राहत की अपील को खारिज करते समय इस अहम पहलूको नजर अंदाज किया। चूंकि इस फैसले का असर लाखों लोगों के जन-प्रतिनिधित्व पर पड़नेवाला था, ऐसेमें, इस मामले में पूरी संजीदगी की दरकार थी। बहरहाल, सजा पर रोक के बाद राहुल गांधी के लिए संभावनाओं के वे सारे दरवाजे खुल गए हैं, जिन पर इस दंड के कारण ताले लगे थे। ऐसे में, कोई आश्चर्य नहीं कि आला अदालत के फैसलेकी खबर मिलतेही लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी नेलोकसभा अध्यक्ष सेराहुल गांधी की सदस्यता तत्काल बहाल करनेकी मांग कर डाली। राहुल गांधी को न्याय की कसौटी पर राहत मिली है, मगर अदालत नेउनकी टिप्पणी को शालीनता के दायरेके बाहर ही माना हैऔर यह अपेक्षा की हैकि सार्वजनिक जीवन वालेव्यक्ति को अपने भाषणों में एहतियात बरतनी चाहिए। निःस्संदेह, यह अपेक्षा काफी अहम है और यह किसी एक नेता या एक सियासी पार्टी तक महदूद नहीं है। हमारेदेश में सार्वजनिक विमर्शों, बल्कि अब तो कई बार संसदीय बहसों का स्तर भी इतना खराब हो जाता हैकि उसे सुनने-देखने वाले शर्मिंदा हो जाएं, एं ऐसे में शीर्ष राजनेताओं सेयह खास अपेक्षा की जानी चाहिए कि वेहमारेजन-विमर्श के स्थापित मूल्यों का ख्याल रखें। जब उनके स्तर सेही चूक होगी, तो नीचे के नेताओं और कार्यकर्ताओं से राजनीतिक शिष्टाचार की अपेक्षा कैसेकी जाएगी? यह सवाल तब और महत्वपूर्णहो जाता है, जब तमाम राजनीतिक दलों को जिताऊ उम्मीदवार के नाम पर आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं सेभी कोई परहेज नहीं है! इस पूरे प्रकरण में राहुल गांधी के राजनीतिक विरोधियों को कोई लाभ पहुंचा हो या नहीं, मगर उन्होंने राहुल को एक मुद्दा जरूर थमा दिया, क्योंकि न्यायपालिका के क्षेत्र के बाहर इस मामले में जितनी सक्रियता बरती गई, चाहे उनकी सदस्यता समाप्ति की त्वरित अधिसूचना हो या उनसेआवास खाली करानेमेंबरती गई अतिरिक्त तत्परता, आम जनता मेंयही संदेश गया कि यह प्रक्रिया के पालन सेज्यादा बदलेकी कार्रवाई है, और इसेराहुल व उनके दल नेकाफी भुनाया भी। यहां तक कि कांग्रेस सेखास दूरी बरतनेवालेकई दल भी उसके करीब आ गए! ऐसेमें, यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि राहुल गांधी जब संसद में लौटेंगे, तब उनका रुख भाजपा और केंद्र सरकार के प्रति कैसा रहता है। यह कोई छिपी हुई बात नहीं हैकि देश का जनमानस प्रतिशोध की राजनीति को पसंद नहीं करता। मगर जैसी आक्रामकता संसद के भीतर और बाहर दिख रही है, उसमें नेताओं की परिपक्वता की परीक्षा भी होगी। इस फैसले में निचली अदालतों के लिए भी एक संदेश है कि जन-प्रतिनिधियों के बारे में फैसला देते समय वे उसके व्यापक परिणामों को भी अपनी निगाह मेंरखें!

संघर्ष में पहला निशाना औरत ही क्यों?

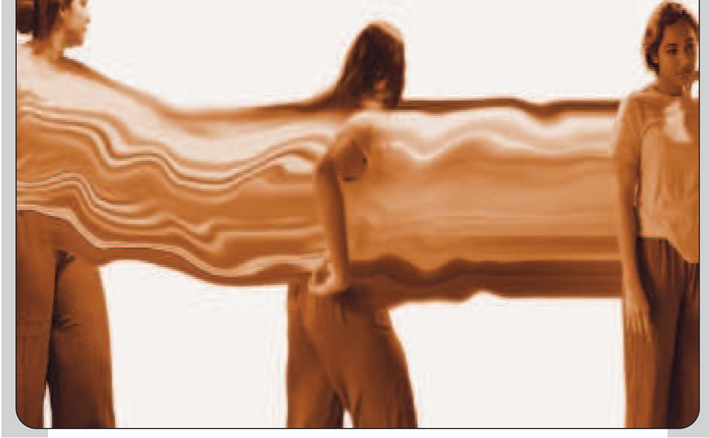

ज्ञानेन्द्र मिश्रा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आखिर स्त्री क्यों लपेट ली जाती है किसी भी लड़ाई में? शायद इसलिए कि वह प्रतिद्वंद्वियों का सबसे नाजुक बिंदु है और हर लड़ाई में हम अपने दुश्मन की सबसे नाजुक कड़ी पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन स्त्री इतनी नाजुक कड़ी क्यों बना दी जाती है? शायद इसलिए कि हम लगातार स्त्री के लिए ही कहते हैं कि वह हमारे घर (समाज/कौम) की इज्जत है, सम्मान है।

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

शायद समाज को पुरुषवादी इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसका ताजातरीन उदाहरण मणिपुर में बीते दिनों देखने को मिला। किसी भी संघर्ष की अंतिम पराकाष्ठा शायद महिला पर आकर समाप्त होना कहे तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। इतिहास के पन्ने पलटे जाए तो भी यह व्यवस्था साफ-साफ शब्दों में इंगित ही नजर आ रही है। आज का वक्त विरोधाभासों और क्रूर विडंबनाओं का है। धर्म से हर पल पनाह मांगते लोगों की धर्म का रक्षक बनने की हिमाकत, स्त्री को नारायणी मानने का दम भरने के साथ उसकी अस्मिता को हर पल दांव पर लगाने की क्रूरता, समाज के कमजोर वर्गों की चुनावी हिमायत के साथ ही उनसे अकल्पनीय बर्बरता और इन सब के साथ अपने पर गर्व करने की मूर्खता। शायद इनसे हम पूरी तरह मुक्त तो कभी नहीं थे। ऐसा दोहरापन और आत्म-विरोध हमेशा ही हमारे साथ रहा है। लेकिन इसकी इतनी आत्मघाती स्वीकृति कभी नहीं रही, जितनी आज है।

हमारे सामने एक ओर यह खुशनुमा पसमंजर है कि लड़कियां समाजिक जंजीरें काट रही हैं, निषिद्ध दुर्ग फतह कर रही हैं और बेवजह खींची हुई सीमाएं लांघ रही हैं। लेकिन साथ ही हम इस परिदृश्य के भी गवाह हैं कि स्त्रियों का जीवन अभी भी उसी जाल में फंसा हुआ है, जो उनकी अस्मिता और सम्मान के नाम पर उन्हें समाज के हर टकराव में घसीट कर उनकी देह को रणक्षेत्र बना देता है। स्त्री की अस्मिता को उसके शरीर तक सीमित कर देने की बेहूदी सोच युगों-युगों से चली आ रही है। द्वापर युग की मिथकीय द्रौपदी को निर्वस्त्र करने की जो हरकत कौरवों की राजसभा से शुरू हुई थी, वह आज तक जारी है। मणिपुर में भी हाल के दिनों में यही देखने को मिला।

आलम यह है कि मामला पुरुषों के बीच का हो, दो जातियों या उप-जातियों के बीच का या धार्मिक समूहों या मात्र दो घरों के बीच का। टकराव में प्रतिद्वंद्वी को हराने मात्र से विजय पूरी नहीं होती। विरोधी पक्ष के कितने ही खज़ाने आप लूट लें, कितने ही समर्थक कब्जे में कर लें, प्रतिद्वंद्वी की स्त्रियों की देह न लूटी तो सब बेकार, ऐसा मर्दवादी सिद्धांत आमतौर पर चलता है।राजशाही भी जहां खत्म हुई, वहां बहुत कुछ बदला, लेकिन उसके अनुरूप मर्दवादी या पितृसत्तात्मक सोच नहीं बदली। न सिर्फ बदली नहीं, कभी-कभी यह सोच ज्यादा कट्टर और भयानक हुई क्योंकि स्त्रियों में संघर्षशीलता बढ़ने के साथ मर्दवादी सोच को घबराहट हुई और उसने अपने शिकंजे को ज्यादा पैना करने की कोशिश की।

आख़िर स्त्री क्यों लपेट ली जाती है किसी भी लड़ाई में? शायद इसलिए कि वह प्रतिद्वंद्वियों का सबसे नाजुक बिंदु है और हर लड़ाई में हम अपने दुश्मन की सबसे नाजुक कड़ी पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन स्त्री इतनी नाजुक कड़ी क्यों बना दी जाती है? शायद इसलिए कि हम लगातार स्त्री के लिए ही कहते हैं कि वह हमारे घर (समाज/कौम) की इज्जत है, सम्मान है। हम ऐसा कहते हैं, चाहे अपने घर और कौम में उसे अधिकारों से पूरी तरह वंचित रखें और उसके सम्मान पर हमला भी करते रहें। स्त्री को घर या बिरादरी का सम्मान मानते समय आमतौर पर जो रुख मिलता है, वह हमारे दोहरेपन को दिखाता है। एक तो यह कि हम पुरुष को घर या बिरादरी की इज्जत बिल्कुल भी उस अर्थ में नहीं मानते जिस अर्थ में स्त्री को मानते हैं। स्त्रियों पर पुरुषों के निजत्व के दावे के कारण वे किसी भी द्वंद्व में सबसे नाजुक कड़ी बन जाती हैं और हमलावर का पहला निशाना बनती हैं। अगर पुरुष और स्त्रियां दोनों समान रूप से घर की इज्जत माने जाएं तो शायद स्त्रियों की इस तरह की निशानदेही की एक वजह दूर हो जाए। लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण तो वह वर्चस्ववादी प्रवृत्ति है, जिसे हम बचपन से 'पुरुषत्व' के नाम पर पोषित करते हैं और जो स्त्रियों के बढ़ते कदमों से आज बहुत आतंकित है। यह पुरुषत्व संवेदना और सहयोग की क्षमता को तिल-तिल मारता है और स्त्री के शरीर पर पुरुष की ताकत को सेलिब्रेट करता है, पुरुष की बर्बर संवेदनहीन ताकत पर ताली बजाता है। ऐसी सोच में पोषित मर्द के लिए स्त्री देह को कब्जे में करना और उसके ऊपर मर्दानगी के झंडे गाड़ना ही उसके 'असली मर्द' होने का प्रमाण है।

इस पुरुष केंद्रित युद्ध को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि मर्दवाद को मज़बूत करने में सिर्फ पुरुषों का हाथ नहीं है। पितृसत्ता या मर्दवाद एक सोच है, जो स्त्री और पुरुष को एकदम अलग तरह के इंसानों में विभाजित रखता है। इस विभाजित इंसानियत की सोच के पक्ष में सिर्फ पुरुष ही नहीं, महिलाएं भी रही हैं। क्योंकि पुरुष और महिला दोनों में ये विचार बचपन से ही कूट-कूट कर भर दिए जाते हैं कि आत्म-सम्मान विहीन, साहस-विहीन और हर समय त्याग करने वाली स्त्री ही असल स्त्री होती है और जोर-जबरदस्ती करने वाला, दूसरों को दबा कर रखने वाला और अपनी इच्छा जबरन पूरी करने वाला पुरुष ही असल पुरुष होता है। दोनों ने एक-दूसरे की अपूर्ण और अनुचित छवियों को ही असली छवियां मानने की आदत डाल ली है। इस कारण स्त्री भी पितृसत्ता के इसी ढांचे के समर्थन में उतरती रहती है।

नतीजे दुखद और शर्मनाक हैं। धर्म आधारित या जाति आधारित टकराहटों में हमने देखा है कि बहुत बार किस तरह एक वर्ग की औरतों ने दूसरे वर्ग की औरतों की अस्मिता नष्ट करने में पुरुषों का पूरा साथ दिया। सामान लूटा, दूसरे समूह की स्त्रियों को बलात्कारियों के हवाले किया। अपने ही देश में हमें बार-बार ये सब देखने का दुर्भाग्य मिला। तो, पूरा मामला स्त्री बनाम पुरुष का उस तरह से नहीं है, जिस तरह हम अभी तक समझते आए हैं। अस्मिताओं की टकराहट ज्यादा पेचीदा मामला है। विभाजन की राजनीति और इस राजनीति द्वारा अस्मिताओं में गुंथी भावनाओं के दोहन को समझे बिना स्त्री जीवन के चारों ओर बुने जाल को समझना संभव नहीं होगा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

पीएम फसल बीमा योजना से बदली किसानों की तकदीर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

राजस्थान के भरतपुर जिले की किसान कमला देवी बताती हैं कि उन्होंने गेहूं की फसल बोई थी, जो अतिवृष्टि के कारण नष्ट हो गई। कमला कहती हैं कि फसल नष्ट हो जाने के बाद भी उन्हें नुकसान नहीं झेलना पड़ा, क्योंकि उन्होंने मोदी सरकार की ओर से चलाई जा रही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा करवा रखा था। कमला बताती हैं कि फसल खराबे की एवज में उन्हें 15 हजार रुपए का बीमा क्लेम उनके बैंक खाते में प्राप्त हुआ। इसी प्रकार जयपुर जिले के ग्राम मागलवाड़ा निवासी रघुवीर प्रसाद ने बताया कि गत वर्ष उन्होंने अपने खेत में मूंग की फसल बोई थी, जो जलभराव के कारण नष्ट हो गई। वे कहते हैं कि नुकसान के बावजूद वे इस बात से राहत में थे कि उन्होंने फसल का बीमा करवाया हुआ था। रघुवीर बताते हैं कि फसल खराबे की एवज में उन्हें 55 हजार रुपए का क्षतिपूर्ति क्लेम उनके बैंक खाते में प्राप्त हुआ। वे इस राहत के लिए मोदी सरकार का धन्यवाद देते नहीं थकते।

चित्तौड़गढ़ जिले के ग्राम निंबाहेड़ा के निवासी झमकूलाल ने बताया कि वे 40 वर्षें से खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इतने वर्षों में कई बार प्राकृतिक आपदाओं, ओलावृष्टि और अतिवृष्टि से फसलें नष्ट हुई थीं। बकौल झमकू, पहले नष्ट हुई फसल की किसानों को क्षतिपूर्ति नहीं दी जाती थी। झमकू कहते हैं कि गत वर्ष उन्होंने जीरे की फसल बोई थी, जो भारी बारिश के कारण नष्ट हो गई। फसल खराब हो जाने के बाद भी वे इस बात से खुश थे कि उन्होंने फसल का बीमा करवा रखा था। योजना के तहत उन्हें अपनी फसल का उचित क्षतिपूर्ति क्लेम सीधे बैंक खाते में प्राप्त हुआ। झमकू बताते हैं कि वे गत तीन वर्षों से हर बोई गई फसल का बीमा करवा रहे हैं। वे कहते हैं कि पीएम फसल बीमा योजना उनके लिए वरदान साबित हुई है।

जयपुर जिले की फुलेरा तहसील के किसान सालाराम बाना एक साल में रबी और खरीफ दोनों फसलें लेते हैं। पिछले साल रबी सीजन में गेहूं की कटाई के बाद तेज बारिश हुई थी। पूरे खेत में पानी भर गया। इससे खेत में कटी हुई फसल बर्बाद हो गई। बाना बताते हैं कि मैंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल का बीमा करवाया हुआ था। फसल खराबे के बाद गिरदावरी हुई। इसके बाद मेरे खाते में बीमा क्लेम के 60 हजार रुपए जमा हुए। यह योजना मेरे लिए वरदान साबित हुई है, क्योंकि अगर क्लेम नहीं मिलता तो मैं कभी कर्जे से उबर नहीं पाता। वहीं पूरे परिवार को मुसीबत झेलनी पड़ती, सो अलग।

असल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना राजस्थान के किसानों के लिए वरदान साबित हुई है और इससे उनकी तकदीर संवर रही है। सबसे खास बात यह है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा क्लेम बांटने में राजस्थान का देश में पहला स्थान है। इस बारे में राजस्थान के कृषि मंत्री लालचंद कटारिया कहते हैं कि प्रदेश में बीते चार साल में 19,900 करोड़ रुपए से अधिक बीमा क्लेम के रूप में किसानों को दिए गए हैं। अब तक 2.10 करोड़ फसल बीमा पॉलिसी पर पोर्टल के माध्यम से यह राशि दी गई है। राजस्थान में पीएम फसल बीमा योजना के क्लेम की पॉलिसी को बांटने के लिए सरकार ने मेरी पॉलिसी-मेरे हाथ अभियान चलाया हुआ है। खरीफ 2021 से सरकार ने यह अभियान चलाया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने भी रबी 2021-22 से मेरी पॉलिसी-मेरे हाथ अभियान की शुरुआत की थी। अब इसी के तहत किसानों को बीमा पॉलिसी का वितरण किया जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

भारत और बांग्लादेश : पानी एक विस्फोटक मुद्दा है

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. रामावतार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारतीय उप महाद्वीप का विभाजन एक विस्फोट के समान हुआ था जिसमें लाखों लाखों लोगों के खून की नदियां बही थी। इन हिंसक हालातों के कारण उपमहाद्वीप की पानी की नदियों पर समझौता नहीं हो पाया। यही कारण है कि आज भी भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच नदियों के पानी बटवारे को लेकर विवाद जारी है। भारत ने हाल ही में पाकिस्तान को सिंधु नदी समझौते पर बातचीत के लिया कहा नहीं कि बंगाल और बांग्लादेश तीस्ता नदी समझौते को लेकर सजग हो उठे। भारत तीस्ता बैरेज से पानी को जलपाईगुड़ी और कूच बिहार में सिंचाई के लिए उपयोग में लेना चाहता है। बंगाल की राज्य सरकार इसको लेकर उत्साहित है परंतु बांग्लादेश के लोग इस बात को लेकर हंगामा मचाना शुरू कर चुके हैं क्योंकि वहां की गरीब किसान जनता इसी पानी पर पूर्णतया निर्भर है। यह विकट स्थिति मानसून की विदाई के बाद के दिनों की होती है। बांग्लादेश एक मित्र देश है इसलिए वहां से आधिकारिक स्तर की कोई टिप्पणी नहीं आई है परंतु सरकार उम्मीद लगाए बैठी है कि आने वाले चुनावों के मद्देनजर भारत ऐसा कदम नहीं उठाएगा जो आवामी लीग के लिए नुकसानदेह हो। इधर भारत के बंगाल में हाल ही में समापन हुए पंचायत चुनाव और भविष्य में होने वाले लोकसभा चुनावों को नजर में रखते हुए वहां की राज्य सरकार भी कड़ा रुख अपनाए हुए है। भारत और बांग्लादेश के बीच 54 नदियां बहती हैं जिनका उद्गम स्थल भारत में पर समापन बांग्लादेश में है। बहाव के निचले स्तर पर होने के कारण बांग्लादेश की आम जनता भारत के प्रभुत्व से भयभीत रहती है क्योंकि भारत कई जल बिजली परियोजना लगाने की योजना बना रहा है। ऐसा होने पर बरसात के बाद के समय में उसे कम पानी मिलते की आशंका सताती रहती है। इतनी नदियों में दोनो देशों के बीच पानी के बटवारे के समझौते मात्र दो तीन नदियों के बारे में ही हुए हैं जिनमें दुबले मौसम के दौरान भारत बांग्लादेश से 37.5 प्रतिशत पानी सांझा करेगा। स्वाभाविक है कि पानी पर्याप्त मात्रा में दोनों देशों के लिए ही नहीं है तो विवाद बना ही रहेगा। इन विवादों के बीच दोनों देश बरसाती बाढ़ पर नियंत्रण पाने के लिए एक दूसरे से सहयोग भी करते रहे हैं। सहयोग और संशय के बीच द्विपक्षीय बातचीत के असंख्य दौर भी कोई प्रभावशाली निष्कर्ष नहीं निकाल पाए हैं। वार्ताओं की विफलताओं का एक कारण दोनों तरफ के लोगों की तरह तरह की मांगें हैं जिनको स्वीकारना और नकारना भारत और बांग्लादेश के राजनेताओं के लिए संभव नहीं है। 1951 में भारत ने उस समय के पूर्वी पाकिस्तान की सीमा से दस किलोमीटर की दूरी पर गंगा नदी पर फरक्का बांध बनाने के निर्णय पर पाकिस्तान द्वारा जोरदार विरोध हुआ परंतु भारत ने बांध बना लिया। उसके बाद भारत और संयुक्त पाकिस्तान के बीच गंगा नदी के पानी पर बटवारे का समझौता हुआ जो अब 30 साल बाद 2024 में एक बार फिर से नवीनीकरण के लिए प्रस्तुत होगा। यहां पर अब भारत और बांग्लादेश के बीच फिर से काफी संघर्ष हो सकता है। गंगा के अलावा फेमी और कुशियारा नदियों के पानी बटवारे पर भी समझौते ठीक चल रहे हैं परंतु अन्य कितनी ही नदियों पर मनमुटाव जारी है। इसमें सबसे ज्यादा विस्फोटक तीस्ता नदी के पानी का बटवारा हैं जिस पर 1980 से चल रही बातचीत के कितने ही दौर कोई स्थाई समाधान नहीं खोज पाए हैं।

इन नदियों का पानी भारत के लिए राष्ट्रीय धरोहर है तो बांग्लादेश के लोगों का जीवन इन्ही के पानी पर निर्भर है। ऐसे में यह मुद्दा भावनात्मक और आर्थिक स्तर पर बहुत ही संवेदनशील हो जाता है। भारत और बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों की बातचीत भी कोई समाधान नहीं ढूंढ पाई और ना ही अधिकारियों के कितने ही वार्तालाप सफल हो पाए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

एक बार छन शब्द हुआ और सूख गया। भगवान की शरण में जाकर जब लज्जा, भय, संकोच, संदेह आदि नहीं रहते तब वे मिलते हैं। ये पाश हैं, जो इनसे बंधा हुआ है वह जीव है। उनसे जो मुक्त है वह शिव है। भगवत्प्रेम दुर्लभ है। शुद्ध भक्ति का होना कठिन है। भक्ति से मन और प्राणईश्वर में लय हो जाते हैं। इसके बाद भाव होता है। भाव से ज्ञानाग्नि पैदा होती है, जो काम, क्रोध, अहंकार आदि रिपुओं को जला डालती है, तब ईश्वर मिलते हैं। अनेक वेद शास्त्र आदि पढ़ने से क्या होगा। भव नदी किस तरह पार की जाए यह जानना ही पर्याप्त है। एक बार एक नाव पर चढ़कर कुछ लोग नदी पार जा रहे थे। उनमें एक पंडित थे वे अपनी विद्या का खूब बखान कर रहे थे। कहते थे मैंने बहुत शास्त्र वेद पुराण षट् दर्शन पढ़े हैं। इतने में जोर की आंधी आई नाव डग मगाने लगी। नाव में सवार एक व्यक्ति ने पूछा-पंडितजी अब तो नाव डूबने वाली है क्या आपको तैरना आता है, आपने तो कई विद्याएं पढ़ी हैं। पंडितजी बोले मुझे तैरना नहीं आता। वह बोला मैंने दर्शन फर्शन तो नहीं पढ़े, लेकिन मुझे तैरना आता है। इसी तरह ईश्वर को पाने के लिए एक निष्ठा की आवश्यकता है। एक लक्ष्य होना चाहिए। लक्ष्य भेद के समय द्रोणाचार्य ने अर्जुन से पूछा था-तुम क्या देख रहे हो? **क्रमशः**

ओपिनियन

59 फीसदी प्रजातियों को आसरा देती है मिट्टी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राम शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

मिट्टी जीवन का आधार है। इसे कृषि और खाद्य उत्पादन के दृष्टिकोण से काफी अहम समझा जाता है। लेकिन साथ ही यह जैवविविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मिट्टी सबसे अधिक प्रजाति समृद्ध क्षेत्र हैं, जो पृथ्वी पर मौजूद 59 फीसदी प्रजातियों का आसरा देती है। इनमें छोटे सूक्ष्म जीवों से लेकर स्तनधारी तक शामिल हैं। यह जीवन के लिए किसी खजाने से कम नहीं, जो अनगिनत प्रजातियों को सहारा देती है। वर्षों से कोरल रीफ्स, गहरे समुद्र या वर्षावनों में पेड़ों की छतनार चोटियों को अक्सर जैवविविधता के हॉटस्पॉट के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन नए अध्ययन से पता चला है कि मृदा प्रजातियों की जैवविविधता के मामले में इनसे कहीं आगे हैं। रिसर्च के अनुसार मृदा, पृथ्वी पर सबसे अधिक प्रजाति-समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र है।

इस बारे में स्विट्जरलैंड के वैज्ञानिकों के एक दल ने वैश्विक स्तर पर मिट्टी में मौजूद जैवविविधता का पहला विस्तृत अध्ययन किया है। इसमें ज्यूरिख विश्वविद्यालय और एग्रोस्कोप कृषि अनुसंधान स्टेशन से जुड़े वैज्ञानिक भी शामिल थे। अध्ययन के नतीजे जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (पनास) में प्रकाशित हुए हैं। अपने इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने मौजूदा वैज्ञानिक शोधों का विश्लेषण किया है और मृदा में पाई जाने वाली प्रजातियों के डेटासेट की दोबारा जांच की है। अध्ययन के जो नतीजे सामने आए हैं, उनके अनुसार पृथ्वी पर मौजूद प्रजातियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, करीब 59 (प्लस माइनस 15) मृदा में वास करता है। देखा जाए तो यह आंकड़ा 2006 में वैज्ञानिकों द्वारा जारी अनुमान से दोगुणा है, जिसमें अनुमान लगाया गया था कि पृथ्वी पर 25 फीसदी जीवन मिट्टी पर आधारित है।

रिसर्च में यह भी सामने आया है कि मृदा करीब 90 फीसदी कवक (फंगी) प्रजातियों का घर है। इसके अलावा यह पौधों की 86 फीसदी और बैक्टीरिया की 44 फीसदी से ज्यादा प्रजातियों को आसरा प्रदान करती है। वहीं केंचुए और घोंघे जैसे मोलस्क प्रजातियों का 20 फीसदी हिस्सा अपने जीवन के लिए मृदा के ही सहारे है।

इस बारे में अध्ययन से जुड़े प्रमुख शोधकर्ता और पारिस्थितिकी विज्ञानी मार्क ए एंथोनी का कहना है कि, "हालांकि, किसी ने भी अभी तक मृदा में बैक्टीरिया, वायरस, आर्किया, कवक और एककोशिकीय जैसे बहुत छोटे जीवों की विविधता का अनुमान लगाने का प्रयास नहीं किया है। फिर भी वे मिट्टी में पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण, कार्बन भंडारण के लिए महत्वपूर्ण हैं, और रोगजनकों के साथ-साथ पेड़ों के भागीदार के रूप में अहम भूमिका निभाते हैं।"अध्ययन में वैज्ञानिकों ने यह भी जानकारी दी है कि चूंकि मिट्टी की विविधता के बारे में, विशेष रूप से दक्षिण में पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध नहीं है। ऐसे में कुछ मामलों में अध्ययन निष्कर्ष की विस्तृत रेंज को दर्शाते हैं। उदाहरण बैक्टीरिया को ही देखें तो मिट्टी इनकी 25 से 88 फीसदी तक प्रजातियां रहती हैं। इसी तरह वायरसों को लेकर भी बहुत ज्यादा अनिश्चितताएं हैं, जिनको अक्सर इंसानो ले लिए रोगजनक समझा जाता है। अन्य शोध से पता चला है कि एक चम्मच स्वस्थ मिट्टी में 100 करोड़ तक बैक्टीरिया और एक किलोमीटर से अधिक कवक हो सकते हैं। देखा जाए तो मृदा कृषि और पोषण के दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर होती है। औसतन एक पौधे को 18 में से 15 पोषक तत्व मृदा से प्राप्त होते हैं। ऐसे में उनकी गुणवत्ता का अच्छा होना बहुत मायने रखता है। इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि दुनिया भर में 200 करोड़ लोग माइक्रो न्यूट्रिएंट्स की कमी का शिकार हैं। इसे आसानी से चिन्हित कर पाना मुश्किल है। यही कारण है कि इसे "अदृश्य भूख" के नाम से भी जाना जाता है। आपको जानकार हैरानी होगी कि हम अपने 95 फीसदी भोजन के लिए प्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से मृदा पर ही निर्भर रहते हैं। इसके बावजूद हम मिट्टी को गंभीरता से नहीं लेते। जो मृदा हमारे जीवन का आधार है, आज उसका 33 फीसदी से ज्यादा हिस्सा खराब होने की कगार पर है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी ग्लोबल लैंड आउटलुक के मुताबिक एक तिहाई जमीन गंभीर रूप से खराब हो चुकी है, जबकि अकेले गहन कृषि के चलते हर साल 2,400 करोड़ टन उपजाऊ मिट्टी नष्ट हो जाती है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी "ग्लोबल एसेस्समेंट ऑफ सॉइल पोल्युशन: समरी फॉर पॉलिसी मेकर्स" नामक रिपोर्ट के हवाले से पता चला है कि मिट्टी पर बढ़ते दबाव के लिए अनियंत्रित तरीके से बढ़ रही औद्योगिक गतिविधियां, कृषि, खनन और शहरी प्रदूषण मुख्य रूप से जिम्मेवार हैं। हैवी मेटल्स, साइनाइड, डीडीटी, अन्य कीटनाशक और लम्बे समय तक रहने वाले कार्बनिक रसायन जैसे पीसीबी मिट्टी को विषैला बना रहे हैं।

हजारों सिंथेटिक केमिकल जो सैकड़ों-हजारों वर्षों तक पर्यावरण में बने रह सकते हैं, पूरी दुनिया में फैले हुए हैं और मिट्टी को दूषित कर रहे हैं। आज दुनिया की करीब 83.3 करोड़ हेक्टेयर से ज्यादा भूमि खारेपन से प्रभावित हो चुकी है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने आगाह किया है कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो अगले 27 वर्षों में 90 फीसदी मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आ जाएगी।

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

अनुभूति डॉटर प्रेरणा-हेमंत शर्मा, नीमच

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 09/08/2023

सूर्योदय : 05:59 **सूर्यास्त** : 19:05 **चन्द्रोदय** : 24:25 **चन्द्रास्त** : 13:41 **शक सम्वत** : 1945 सोभाकृतु **अमान्ता महीना** : आषाढ़ा **पूर्णिमांत** : श्रावण **सूर्य राशि** : कर्क **चन्द्र राशि** : मेष **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : नवमी, 28:12 तक **वार** : बुधवार **शक सम्वत** : 1945 शोभकृत **चन्द्रमास** श्रावण (अधिक) : पूर्णिमान्त **श्रावण (अधिक)** : अमान्त **विक्रम सम्वत** : 2080 नल **गुजराती सम्वत** : 2079 आनन्द

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : कृत्तिका, 26:29 तक
योग : वृद्धि, 15:39 तक
प्रथम करण : तैतिल, 16:01 तक
द्वितिय करण : गारा, 28:12 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:21 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:43 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:40 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:06 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:06 पी एम से
अमृत काल	11:59 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:5 एएम, अगस्त 10 से 12:48 एएम,अगस्त 10

सर्वार्थ सिद्धि योग पूरे दिन

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : राहु
कुंभ चक्रः तल

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:58 - 07:36	उद्वेग	07:04 - 08:26
अमृत	07:36 - 09:14	शुभ	08:26 - 09:48
काल काल वेला	09:14 - 10:53	अमृत	09:48 - 11:09
शुभ	10:53 - 12:31	चर	11:09 - 12:31
रोग वार वेला	12:31 - 02:09	रोग	12:31 - 01:53
उद्वेग	02:09 - 03:48	काल	01:53 - 03:15
चर	03:48 - 05:26	लाभ	03:15 - 04:36
लाभ	05:26 - 07:04	उद्वेग	04:36 - 05:58

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज नवमी

आज कौन सा कार्य करें

नवमी रिक्ता तिथि है इसलिए इस दिन कोई भी नया, मांगलिक कार्य वर्जित है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

श्रावण (अधिक), कृष्ण, नवमी, 2080 बुधवार, 9 अगस्त - 15 अगस्त, 2023

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मुनेश गुर्जर ने हाई कोर्ट में निलंबन को दी चुनौती

कहा- गलत तथ्यों के आधार पर आनन फानन में किया निलंबित, FIR में भी आरोपी नहीं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज की निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर ने सरकार के निलंबन आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट में याचिका दायर करके मुनेश गुर्जर की ओर से कहा गया है कि सरकार ने उनके निलंबन से पूर्व कोई जांच नहीं की। गलत तथ्यों के आधार पर आनन-फानन में निलंबित किया गया है। जबकि एसीबी ने FIR में उन्हें आरोपी भी नहीं माना है। दरअसल, मुनेश गुर्जर के पति और दो दलालों को एसीबी ने रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया था। इसके बाद 5 अगस्त को मुनेश गुर्जर को निलंबित किया गया था।

विभाग ने प्रथमदृष्ट्या मानी थी मेयर की संलिप्ता

मुनेश गुर्जर को निलंबित करने वाले आदेश में स्वायत्त शासन विभाग ने प्रथमदृष्ट्या उनकी संलिप्तता मानी है। आदेश में विभाग ने लिखा था कि पट्टे बनाने की एवज में मेयर पति सुशील गुर्जर व अन्य दो दलालों को मेयर की उपस्थिति में उनके घर से एसीबी ने 2 लाख की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। वहीं, जिस आवेदन पर पट्टा बनाया जाना था। उसकी फाइल भी मेयर के घर पर ही थी। इसके साथ ही सर्च में मेयर के घर से 40 लाख रुपए नगद बरामद किए गए। ऐसे में पूरे प्रकरण में प्रथमदृष्ट्या उनकी संलिप्ता प्रतीत होती है। राजस्थान सरकार द्वारा उक्त प्रकरण की जांच करवाने का निर्णय लिया गया हैं। ऐसे में मुनेश गुर्जर के मेयर पद पर बने रहने से विचाराधीन जांच को प्रभावित करने की पूर्ण संभावना हैं। इसलिए उन्हें निलंबित किया जाता हैं।

सरकार ने दायर कर रखी है कैविएट

मामले में राज्य सरकार ने पहले से ही कैविएट दायर कर रखी हैं। ऐसे में हाई कोर्ट मुनेश गुर्जर की याचिका पर कोई आदेश देने से पहले सरकार का पक्ष सुनेगा। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल मेहता ने यह कैविएट दायर की हैं। दरअसल गुर्जर ने कहा था कि वह निलंबन आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती देगी। ऐसे में कहीं मुनेश को निलंबन आदेश पर स्टे नहीं मिल जाए। इसे लेकर सरकार ने पहले से ही हाई कोर्ट में कैविएट दायर कर दी थी। ऐसे में अब सरकार का पक्ष सुनने के बाद ही कोर्ट कोई आदेश देगा।

ओलंपिक खेलों में खिलाड़ी दिखा रहे है जोश व उत्साह

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी हो रहा आयोजन

रींगस @ जागरूक जनता। कस्बे सहित आसपास के गांवो में आयोजित हो रहे राजीव गांधी शहरी व ग्रामीण ओलंपिक खेलों को लेकर खिलाड़ियों में खासा जोश व उत्साह देखने को मिल रहा है, खिलाड़ी ओलंपिक खेलों में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। रींगस कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान पर आयोजित शहरी ओलंपिक खेलों में मंगलवार को कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो खो प्रतियोगिताओं के मैच आयोजित हुए। लाखनी गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान पर आयोजित ग्रामीण ओलंपिक खेलों में बुजुर्ग महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। ओलंपिक खेलों की सांस्कृतिक संध्या में स्थानीय कलाकारों व सरकारी व निजी विद्यालयो की बालिकाओं की ओर से भी अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। उपखंड अधिकारी राकेश कुमार ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में दी गई प्रस्तुतियो की सराहना की। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सीताराम कुमावत, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय कुमार गुप्ता, कस्बे के जनप्रतिनिधि सहित अनेक खिलाड़ी मौजूद थे।

समाजसेवा के साथ साथ हर जरूरतमंद की मदद करते हैं युवा समाजसेवी विपिन

जयपुर @ जागरूक जनता। कई वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रिम रहने वाले युवा समाजसेवी विपिन शर्मा इन दिनों समाज सेवा के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को रोजगार व उनकी पारिवारिक समस्याओं का भी समाधान कर रहे हैं युवा समाजसेवी विपिन रक्तदान शिविर जैसे कार्य भी करते रहते हैं साथ ही असहाय लोगों की मदद भी करते हैं विपिन शर्मा जिला ही नहीं बल्कि पूरे राजस्थान में समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रिम रहते हैं युवा समाजसेवी विपिन शर्मा को कई दफा जिला व राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है विपिन शर्मा का कहना है कि जब तक वह समर्थ रहेंगे लोगों की सेवा करते रहेंगे युवा समाजसेवी विपिन शर्मा का कहना हैं कि हर इंसान को रक्तदान करना चाहिए।

प्रदेश के 3 विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त किए

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल कलराज मिश्र ने प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त किए हैं। इनमें अंबेडकर विवि लखनऊ की प्रोफेसर डॉ. सुनीता मिश्रा को सुखाड़िया विवि उदयपुर, जीवाजी विवि ग्वालियर के वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. केशव सिंह ठाकुर को गोविंद गुरु जनजाति विवि बांसवाड़ा तथा लखनऊ विवि के लोक प्रशासन विभागाध्यक्ष प्रो. मनोज दीक्षित को महाराजा गंगासिंह विवि बीकानेर में कुलपति नियुक्त किया है।

508 रेलवे स्टेशनों के री-डेवलपमेंट की शुरुआत, जयपुर जंक्शन पर 717 करोड़ खर्च होंगे

अमृत स्टेशन 30 साल की जरूरतों के हिसाब से तैयार होंगे-मोदी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देश के करीब 1300 रेलवे स्टेशन अमृत भारत योजना के तहत री-डेवलप होंगे। पहले चरण में 25 हजार करोड़ रु. में 508 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास होगा। इसकी शुरुआत रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि इन स्टेशनों को सिटी सेंटर के रूप में डेवलप करेंगे। ऐसा अपग्रेडेशन मप्र में रानी कमलापति, गुजरात के गांधीनगर में हो चुका है। मोदी ने कहा कि इन स्टेशनों को अगले 30 साल की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार कर रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि दक्षिण अफ्रीका, यूक्रेन, पोलैंड, यूके और स्वीडन जैसे देशों में जितना रेल नेटवर्क है, उससे ज्यादा रेल ट्रैक भारत ने पिछले 9 साल में बिछाया है। मोदी ने बताया कि सरकार ने स्टेशनों को शहर और राज्यों की पहचान से जोड़ने के लिए 'वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट' योजना भी शुरू की है। इन 508 स्टेशनों में सबसे ज्यादा 55-55 राजस्थान, उप्र के हैं।

विपक्ष पर हमला, मोदी बोले- क्विट इंडिया याद है ना?

विपक्षी दलों के गुट 'इंडिया' पर हमला बोलते हुए पीएम ने कहा कि 9 अगस्त वो तारीख याद है ना, जब ऐतिहासिक क्विट इंडिया मूवमेंट (भारत छोड़ो आंदोलन) की शुरुआत हुई थी। इस आंदोलन ने आजादी पाने की दिशा में भारत के कदमों में नई ऊर्जा भर दी थी। इससे प्रेरित होकर आज पूरा देश कह रहा है कि भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, राजवंश भारत छोड़ो, तुष्टिकरण भारत छोड़ो।

आमेर व हवामहल की दिखेगी झलक

अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल उत्तर पश्चिमी रेलवे के 47 रेलवे स्टेशनों में जयपुर जिले के 5 रेलवे स्टेशन शामिल हैं। जयपुर जंक्शन, गांधीनगर, फुलेरा, नरैना और आसलपुर जोबनेर स्टेशनों को इसके जरिए विकसित किया जाएगा। रेलवे का मानना है कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आधुनिक रेलवे स्टेशनों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्टेशनों पर ही यात्री वहां की संस्कृति व इतिहास से रूबरू हो सकेंगे। कार्यर म के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जयपुर जंक्शन पर हवामहल और आमेर महल की झलक देखने को मिलेगी। योजना के तहत जयपुर स्टेशन के विकास पर 717 करोड़ रुपए खर्च होंगे। गांधीनगर स्टेशन के विकास पर 211 करोड़, जोधपुर पर 494 करोड़, जैसलमेर स्टेशन पर 140 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। स्टेशनों पर प्लाजा, एग्जिक्यूटिव लाउंज, कॉनकोर्स एरिया, फूड कोर्ट, शॉपिंग मॉल, कैफेटेरिया, प्ले एरिया, ग्रीन बिल्डिंग, नवीनीकरणीय ऊर्जा, कचरे के प्रसंस्करण आदि विकसित किए जाएंगे।

आपातकाल के सेनानी सम्मानित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गोवर्धन नाथ मंदिर मंच द्वारा 1975 के आपातकाल में जेल गए हवामहल विधानसभा के पोंडरिक मंडल के स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान कंवर नगर की धर्मशाला में हुआ। मंच अध्यक्ष मुकेश सारस्वत ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक कैलाश थे। कैलाश ने आपातकाल से जुड़े अनेक प्रसंग उपस्थित श्रोताओं के साथ साझा किए। कार्यक्रम संयोजक मनोज शर्मा ने बताया कि सेनानियों में छुट्टन लाल सैनी, सत्यनारायण विजयवर्गीय, वीरुमल टेकवानी, मोहन खंडेलवाल, गौरीशंकर सर्राफ, केशव महावर व अनिल गुप्ता का सम्मान किया गया। कार्यक्रम संचालक मानसिंह देवड़ा ने बताया कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में अविनाश जाखड़, रवि पाठक, उमा शर्मा एवं साधुराम तोतलानी का भी सम्मान किया गया।

हाजी महबूब भाई को विद्याधर नगर जयपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। हाजी महबूब भाई को विद्याधर नगर जयपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष बनाया गया। पीसीसी कोषाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल ने नियुक्ति प्रमाण पत्र देकर ऑल इंडिया मंसुरी समाज प्रदेश उपाध्यक्ष वक्फ बोर्ड नायब सदर हाजी महबूब भाई को विद्याधर नगर जयपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष बनाया गया। इस मौके पर कांग्रेस वरिष्ट नेता पी सी सी सदयस्य मोहम्मद असग़र अहमद साहब हवामहल समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर हाजी महबूब भाई ने कहा हमे हर जगह कांग्रेस को मजबूत करके राजस्थान में ही नही बल्कि केन्द्र में भी कांग्रेस सरकार बनानी है हम मेहनत करके यह काम कर सकते हैं अंत मे उन्होंने सीताराम जी का शुक्रिया अदा किया।

अटक सकता है मेला प्राधिकरण विधेयक

विधानसभा से पारित विधेयक राजभवन नहीं पहुंचा!

जनहानि होने पर जिम्मेदार होगा मंदिर प्रबंधन, जुर्माने का रखा प्रावधान, करने होंगे माकूल इंतजाम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जनविरोध के कारण मेला प्राधिकरण विधेयक के अटकने के संकेत मिल रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा से पारित यह विधेयक अभी राजभवन तो नहीं पहुंचा है, लेकिन बताया जाता है कि सरकार इसे लागू करने के मूड में नहीं है। पिछले दिनों प्रदेश भर के धर्मगुरुओं ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात कर विधेयक पर पुनर्विचार व संशोधन की मांग उठाई थी। अधिकारियों से जब इस बारे में बात की गई तो उनका कहना था कि विधेयक के लागू होने पर संशय है। या तो राज्यपाल विधेयक को मंजूरी देने के बजाय इसे लौटा देंगे। राजभवन से मंजूरी मिल भी गई तो सरकार इसके लागू होने की तारीख तय नहीं करेगी।

इसलिए हो रहा विरोध

राजस्थान में प्रतिवर्ष कई धार्मिक व सांस्कृतिक मेले लगते हैं, जिनमें देशी-विदेशी पर्यटक व स्थानीय लोग आते हैं। ऐसे में पूरी जिम्मेदारी आयोजन प्रबंधन पर डालना सही नहीं है। इसमें आयोजकों को प्रशासन का भी साथ मिले, ताकि व्यवस्था बनी रहे। बड़े पर्व, जयंती सहित उत्सवों पर मंदिर, मस्जिद, दरगाह में लोग अपनी आस्था के साथ आते हैं। धर्मगुरुओं ने भी इन्ही कारणों से विरोध जताया था। इससे पहले विधानसभा में विपक्ष ने भी विधेयक को जनविरोधी बताते हुए इसे पारित नहीं करने का आग्रह किया था।

आवासन आयुक्त ने स्थानांतरित सचिव को दी विदाई, नए सचिव, उप सचिव के आगमन पर दी शुभकामनाएं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल के बोर्ड रूम में आयोजित एक कार्यक्रम में मण्डल सचिव अल्पा चौधरी को स्थानांतरण पर विदाई दी गई वहीं नवनियुक्त सचिव बृजेश कुमार चांदोलिया और उप सचिव राजेंद्र सिंह चांदावत के आगमन पर बधाई और शुभकामनाएं भी दी गई। इस अवसर पर आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने मण्डल सचिव अल्पा चौधरी को स्थानांतरण पर विदाई देते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए। वहीं नवनियुक्त सचिव और उप सचिव को बुके देकर नये दायित्व की शुभकामनाएं दी।

अरोड़ा ने सचिव की कार्यप्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने परिवार की तरह कार्य करते हुए मंडल को ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इस अवसर पर मुख्य अभियन्ता अमित अग्रवाल, मनोज गुप्ता, संदीप गर्ग, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, मुख्य सम्पदा प्रबंधक दीपाली भगोतिया, राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दशरथ सिंह, संघ के महामंत्री प्रदीप शर्मा सहित मण्डल के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय गौ-क्रान्ति वार्षिक पदयात्रा निकली

जयपुर @ जागरूक जनता। गायत्री सप्त क्रान्ति ट्रस्ट, जयपुर ने राष्ट्रीय गौ क्रान्ति वार्षिक पदयात्रा निकाली। यह पदयात्रा गायत्री कुंज मुरलीपुरा जयपुर से रवाना होकर मुण्डोता, कालवाड़ स्थित आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक गौ अनुसंधान केन्द्र पहुँची, जहाँ सामूहिक सभा के आयोजन में वार्षिक प्रगति की समीक्षा एवं अन्य कार्यक्रम रखे गए। रात्रि विश्राम माचवां में हुआ। पदयात्री मार्ग में दीवारों पर सद्वाक्य लेखन, मंदिरों की सफाई, वृक्षारोपण करते हुए चले। पदयात्रा के दौरान विभिन्न प्रकार की व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण एवं सामज निर्माण की रचनात्मक गतिविधियाँ संचालित की गयी। दोपहर विश्राम के समय कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें कवि किशोर पारीक एवं अमित आजाद सहित नामी हस्तियां शामिल हुई जिन्होंने गौमाता विषयक प्रेरणादाई रचनाएं जोशीले स्वर में प्रस्तुत की। अगले दिन प्रातः काल सामूहिक योगाभ्यास कराया गया। उसके बाद प्रातः 8 बजे सामूहिक नैनो यज्ञ सम्पन्न हुआ, जिसमें यज्ञीय चिकित्सा के बारे में सभी को बताया गया। पूरी पदयात्रा के दौरान 200 से भी अधिक वृक्ष लगाए गए एवं घर-घर औषधीय पौधों का वितरण किया गया। पदयात्रा में गौ माता की झांकी आकर्षण का केंद्र रही जिसमें पंचगव्य से निर्मित विभिन्न गौ उत्पाद थे। समापन कार्यक्रम में शाक वाटिका, पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर संगोष्ठी हुई एवं लोगों को इनकी तकनीकी जानकारी दी गई।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

मांडवला (जालोर) @ जागरूक जनता। बिशनगढ़ में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक का रंगारंग कार्यक्रम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिशनगढ़ में आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य सरदार सिंह ने बताया कि बिशनगढ़ में 98 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। जिसमें 9 टीमों का गठन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हीराराम चौधरी वतन रेस्टोरेंट डायरेक्टर व कार्यक्रम की अध्यक्षता में गोपाल राम व कल्याण सिंह सायला ने कि विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत व जय श्री वैष्णव ने गणपति वंदना की प्रस्तुति दी। वरिष्ठ अतिथि कल्याण सिंह, हीराराम चौधरी निर्देशक उद्घाटन मैच कबड्डी व रस्साकसी का शुभारंभ करवाया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षक फूलचंद, शेरकरण करणोत ने खेलों को खिलाया। भामाशाह सांवलाराम व अतिथियों का स्वागत नृहसिह दास वैष्णव उपाचार्य बिशनगढ ने किया। कार्यक्रम में हरिसिंह, सुरेंद्र कुमार, अचलाराम, सोनाराम, ममता सोलंकी, शीला, नसीम भाटी कार्यक्र का संचालन हेमा सोलंकी ने किया।

नेशनल हाइवे पर सफर को आसान बनाएगा राजमार्ग यात्रा ऐप

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नेशनल हाईवे पर अब अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए किसी से पूछताछ करने की जरूरत नहीं होगी। पेट्रोल पंप, अस्पताल, होटल और अन्य आवश्यक सेवाओं की जानकारी भी यात्रियों को उनके स्मार्ट फोन में सिर्फ एक ऐप डाउनलोड करने से मिल जाएगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यात्रियों की सुविधा के लिए एकीकृत मोबाइल एप्लीकेशन राजमार्ग यात्रा ऐप की शुरुआत की है। यह ऐप यात्रियों के अनुकूल है। इसे गूगल प्ले स्टोर और आईओएस ऐप स्टोर दोनों से डाउनलोड किया जा सकता है।

शिकायत निवारण का भी प्रबंध

ऐप पर यात्रियों को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न प्रकार की जानकारी मिलन के साथ ही शिकायत निवारण भी किया जा सकेगा। इसके लिए ऐप में पूरा सिस्टम दिया गया है। ऐप फिलहाल हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है। ऐप राष्ट्रीय राजमार्ग के यात्रियों को वन स्टॉप प्लेटफॉर्म की तरह जानकारी उपलब्ध कराएगा। इससे तत्काल मौसम की स्थिति, समय पर प्रसारण सूचनाएं और नजदीकी टोल प्लाजा, पेट्रोल पंप, अस्पताल, होटल और अन्य आवश्यक सेवाओं की जानकारी भी मिलेगी।

शिकायत को कर सकते हैं ट्रैक

ऐप में बिल्ट-इन शिकायत निवारण सिस्टम है। यात्री किसी भी संदेश को स्पष्ट रूप से जानने के लिए जियो-टैग कर वीडियो या फोटो को एड कर राजमार्ग से जुड़ी रिपोर्ट कर सकते हैं। ऐप से पंजीकृत शिकायत को समयबद्ध तरीके से निपटाने का प्रावधान किया गया है। किसी भी देरी के मामले में सिस्टम-जनरेटेड मामले को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। यात्री पूर्ण पारदर्शिता के लिए शिकायतों की स्थिति को भी ट्रैक कर सकते हैं।

फास्टैग सेवाएं

ऐप विभिन्न बैंक पोर्टलों से जुड़ा है, जिससे उपयोगकर्ता एक ही प्लेटफॉर्म पर अपने फास्टैग को आसानी से रिचार्ज करा सकते हैं और मासिक पास ले सकते हैं। साथ ही फास्टैग संबंधित अन्य बैंकिंग सेवाओं तक आसानी से पहुंच बना सकते हैं।

 # New District : प्रदेश के सभी नवसृजित जिलों में मनाया गया स्थापना दिवस समारोह

50 जिलों और 10 संभाग का हमारा राजस्थान राज्य सरकार का फर्ज : प्रदेशवासियों को मिले राहत

मुख्यमंत्री ने जिलों की शिला पट्टिकाओं का किया अनावरण, दी शुभकामनाएं - विजन 2030 के तहत प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाना ही हमारा लक्ष्य

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को नवसृजित जिलों और 3 संभागों की शिला पट्टिकाओं का अनावरण कर प्रदेशवासियों को सबसे बड़ी सौगात दी। उन्होंने बिड़ला सभागार में हुए नवसृजित जिलों के स्थापना कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन में आहूति दी और राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए कामना की।

गहलोत ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देकर कहा कि नए जिलों और संभागों के सृजन से राज्य की प्रशासनिक इकाइयों का विकेन्द्रीकरण होगा, उनकी क्षमताएं बढ़ेंगी और कानून व्यवस्था अधिक मजबूत होंगी। आमजन के प्रशासनिक कार्य अब नजदीक ही सुगमता से होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए जनभावनाओं में घुली यह राजस्थान की एक नई सकारात्मक शुरूआत है। इससे प्रदेश को नई ऊंचाइयां मिलेंगी। हमने राज्यहित में फैसले लेकर पूरे किए हैं।

हमारा विजन 2030

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1956 में 2 करोड़ की जनसंख्या पर 26 जिले बने थे। वहीं, 67 साल में आबादी 3 गुना बढ़ने के बावजूद 7 ही नए जिलों का गठन हुआ था। अब राज्य सरकार ने जनभावना के सम्मान में प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण के लिए एक साथ 19 नए जिलों का गठन किया है। इसके पीछे हर एक प्रदेशवासी का सपना राजस्थान को वर्ष 2030 तक हर क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल कराना है। राज्य सरकार

गांधीजी के विचारों और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिला गठन समिति का कार्यकाल 6 माह बढ़ाया गया है, जिससे आमजन की न्यायोचित मांगों पर परीक्षण कर पूरा किया जाएगा।

गारंटी देने वाला प्रदेश है राजस्थान

गहलोत ने कहा कि जिस तरह पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश को खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, सूचना और रोजगार प्राप्त करने का अधिकार कानून बनाकर दिया। उसी तरह हमने भी स्वास्थ्य का अधिकार (आरटीएच), राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, न्यूनतम 1000 रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन का अधिकार राजस्थान के हर पात्र व्यक्ति को दिया है। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी में 125 दिन रोजगार, महात्मा गांधी नरेगा के 125 दिन के रोजगार और अनिवार्य एफआईआर की गारंटी दी है। अब राजस्थान रेगिस्तान नहीं बल्कि गारंटी देने वाला प्रदेश बन गया है।

राजस्थान में ऐतिहासिक विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 4 साल में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, कृषि, रोजगार, पानी, बिजली सहित हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ है। विद्यालय क्रमोन्नयन, नए महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों की स्थापना, चिकित्सा केंद्रों की शुरूआत और हर ब्लॉक में रीको क्षेत्र का विकास किया गया है। तीन लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। साथ ही, अलग से कृषि बजट पेश करने के साथ निजी क्षेत्र में हजारों रोजगार, स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए नीतियां सहित पेपर लीक प्रकरणों में सख्त कार्रवाई के प्रावधान किए गए हैं।

देश में राजस्थान अग्रणी

गहलोत ने कहा कि हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन से योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राजस्थान की योजनाओं और नीतियों की चर्चा पूरे देश में हो रही है। प्रदेश सब-सेंटर, पीएचसी, सीएचसी, चिकित्सा महाविद्यालय, विश्वविद्यालय सबसे अधिक खोलने, देश का सबसे बड़ा आईपीडी टावर एसएमएस अस्पताल में बनाने, सबसे पहले पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) फिर से लागू करने, देश का पहला शांति एवं अहिंसा विभाग स्थापित करने, लगभग 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1000 रुपए की सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलाने, दूध, ऊन, सरसों, चना, दाल, सोलर, रिन्युएबल एनर्जी के उत्पादन में सबसे आगे है। साथ ही, जीडीपी विकास दर में भी हम दूसरे स्थान पर है।

प्रदेशवासियों से आह्वान

गहलोत ने प्रदेशवासियों से कहा कि नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार, विचार, परम्परा और संस्कृति देना हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। युवा पीढ़ी को मानवता की सेवा करना सिखाएं। कार्यक्रम में उन्होंने धर्मगुरूओं का भी स्वागत किया।

नवसृजित जिलों की वेबसाइट लॉन्च

मुख्यमंत्री ने कार्यक्र म में नवगठित जिलों की वेबसाइट भी लॉन्च की। इनमें-
anupgarh.rajasthan.gov.in
balotra.rajasthan.gov.in
beawar.rajasthan.gov.in
didwana-kuchaman.rajasthan.gov.in
deeg.rajasthan.gov.in
dudu.rajasthan.gov.in
gangapurcity.rajasthan.gov.in
jaipurural.rajasthan.gov.in
jodhpurrural.rajasthan.gov.in
kekri.rajasthan.gov.in
khairthaltijara.rajasthan.gov.in
kotputlibehror.rajasthan.gov.in
neemkathana.rajasthan.gov.in
phalodi.rajasthan.gov.in
salumber.rajasthan.gov.in
sanchore.rajasthan.gov.in
shahpura.rajasthan.gov.in

इन जिलों और संभाग की स्थापना

अनूपगढ़, गंगापुर सिटी, कोटपूतली-बहरोड़, बालोतरा, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, जयपुर ग्रामीण, नीम का थाना, डीग, फलौदी, डीडवाना-कुचामन, जोधपुर ग्रामीण, सलूम्बर, दूदू, केकड़ी, सांचौर तथा शाहपुरा के साथ बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग की स्थापना हुई। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि राज्य सरकार ने 'हर घर न्याय, हर घर खुशहाली' की संकल्पना के साथ लगभग 1500 राजस्व गांव, 125 उपतहसील, 85 तहसील, 35 एसडीएम, 13 एडीएम कार्यालय और 19 जिलों का गठन किया है। इससे आमजन को प्रशासनिक तथा न्यायिक कार्यों में सुगमता होगी। प्रशासनिक इकाइयों के विकेंद्रीकरण से आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। लंबित राजस्व मामलों का भी समयबद्ध निस्तारण हो सकेगा। जिला गठन समिति के अध्यक्ष रामलुभाया ने कहा कि प्रदेशवासियों के लिए प्रगति का यह स्वर्णिम अवसर है। जिलों का सृजन राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए राज्य सरकार के विजन को दर्शाता है। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर जयपुर प्रकाश राजपुरोहित ने जयपुर और जयपुर ग्रामीण जिले की अधिसूचना का पठन किया।

नए जिलों को लेकर राजेन्द्र राठौड ने उठाए सवाल

4 लाख से अधिक मुकदमे कैसे सुनेंगे

राठौड ने कहा बिना तैयारी व बजट के सरकार ने बना दिए जिले

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने बिना किसी तैयारी और बजट के जनता को दरकिनार कर विधायकों को खुश करने के लिए जिलों का गठन किया है। वर्तमान में 33 जिलों में चल रहे 4.25 लाख राजस्व मुकदमे 50 जिलों में कैसे सुने जाएंगे। अधिकारी पल्ला झाड़ लेंगे। आम जनता के सर्वाधिक काम वाले 29 विभाग कैसे नए जिलों में कार्य संभालेंगे। इसकी कोई रूपरेखा सरकार ने नहीं दी है। पहली बार एक ही नाम से दो-दो जिले बना दिए हैं, जो हास्यास्पद है। सर्किट हाउस में राठौड़ ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नए जिले की निर्माण की प्रक्रिया के लिए पहले नोटिफिकेशन जारी करना पड़ता है। आपत्ति के लिए 30 दिन का समय दिया जाता है। जिले का प्रारूप भी प्रकाशित होता है, लेकिन राज्य सरकार ने जनता को दरकिनार कर जिलों का गठन किया है। कई जिलों के मध्य केवल 35 से 40 किलोमीटर की दूरी है। भविष्य में यदि कोई महामारी आ जाती है तो नए जिले बिना किसी तैयारी के लड़ नहीं पाएंगे और पुराने जिलों के अफसर अपना पल्ला झाड़ लेंगे। भुगतना जनता को पड़ेगा।

नए जिलों की घोषणा के बाद से ही भाजपा के हलकों में इसके सियासी समीकरणों पर चर्चा हो रही है। जिलों की घोषणाओं के फायदे–नुकसान का भी आकलन किया जा रहा है। नए जिलों से भाजपा नेताओं का फीडबैक भी लिया जा रहा है।

चुनाव कौन-कैसे करवाएगा

नए जिलों में अभी कलक्टर, एसपी सहित अन्य आधारभूत प्रशासनिक ढांचा भी खड़ा नहीं किया गया है। ऐसे में आगामी 3-4 महीनों में होने वाली चुनाव प्रक्रिया कैसे संपन्न होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी कौन रहेंगे। इसके बारे में अभी तक स्पष्ट नहीं किया गया है।

जिले को 394 हस्त चलित व 678 पावर चलित चाफ कटर के लक्ष्य आवंटित

पशुपालक किसानों को अब अनुदान पर मिलेगा चाफ कटर व रिज बेड प्लांटर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। राजस्थान तकनीकी मिशन (मिशन10) के तहत कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए जिले के पशुपालक किसानों को अब अनुदान पर मिलेगा चाफ कटर व रिज बेड प्लांटर। दोनों यंत्रों पर सामान्य श्रेणी वर्ग में 40% तथा लघु, सीमांत, अनुजा, अनुजनजा व महिला कृषकों को लागत का 50% या अधिकतम 5000 हस्तचलित, 10000 रुपए पावर चलित चाफ कटर पर अनुदान दिया जाएगा। जिले को 394 हस्त चलित व 678 पावर चलित चाफ कटर के लक्ष्य आवंटित है। वही उठी हुई क्यारियों में उन्नत खेती के तहत रिज बीएड प्लांटर पर 17500 व 22500 रुपए का अधिकतम अनुदान श्रेणियों अंतर्गत देय है। इसके भी जिले को 50 लाइट व 50 हैवी वेट के लक्ष्य जिले को आवंटित है। इस योजना का लाभ लेने के लिए कृषक जिसके पास भूमि का स्वामित्व है, पात्र होंगे।

इस तरह करें आवेदन

कृषक नजदीकी ई मित्र कियोस्क पर जाकर अथवा स्वयं के स्तर से राज किसान साथी पोर्टल पर जनाधार नंबर के माध्यम से आवेदन कर सकता है। सामान्यतः पहले आओ पहले पाओ वरीयता क्रम में कृषकों के प्रस्ताव की ऑनलाइन जांच की जाकर क्रय करने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति दी जाएगी। जिसके उपरांत ही कृषकों द्वारा यंत्र क्रय का बिल प्रेषित करने पर व कृषि पर्यवेक्षकों की ओर से मोबाइल एप्प के माध्यम से पोर्टल पर सत्यापन किए जाने पर अनुदान का भुगतान डीबीटी प्रक्रिया से कृषक के बैंक खाते में किया जाएगा। कृषक राज्य में किसी भी पंजी कृत निर्माता व उनके अधिकृत विक्रेता से यंत्र क्रय कर सकते है। गौरतलब है कि प्रशासनिक स्वीकृति जारी होने की दिनांक से पहले क्रय किए गए कृषि यंत्रों पर कोई अनुदान देय नहीं किया जाएगा।

प्रशासनिक स्वीकृति की दिनांक से 45 दिवस के भीतर यंत्र क्रय कर सूचना विभाग देनी होती है। 15 दिवसों में विभाग की ओर से भौतिक सत्यापन कर 15 दिवस में उपलब्ध बजट के आधार पर अनुदान जारी किया जाता है।
संजय तनेजा, संयुक्त निदेशक कृषि विभाग सिरोही

झारखंड और महाराष्ट्र में नारायण सेवा शिविर

546 दिव्यांग बन्धुओं का मेजरमेंट

उदयपुर @ जागरूक जनता। दिव्यांगों को घिसटती हुई जिंदगी से राहत देने हेतु नारायण सेवा संस्थान का नारायण कृत्रिम अंग माप शिविर, आदित्य बिरला ग्रुप ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेहला और महिला मंडल झारखंड के पलामू एवं लॉयन्स क्लब गांधी सिटी एवं जय महाकाली शिक्षण संस्थान के सौजन्य से महाराष्ट्र के वर्धा में विशाल निःशुल्क दिव्यांगता निवारण शिविर का समापन हुआ। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बताया कि इन शिविरों में 546 दिव्यांग आए। जिसमें 49 को शल्य चिकित्सा के लिए, वहीं दुर्घटना ग्रस्त अंग विहीन 325 दिव्यांगों का कृत्रिम अंग के लिए। मेजरमेंट लिया गया व 65 का कैलिपर्स के लिए माप लिया गया, शल्य चिकित्सा वाले रोगियों का उदयपुर संस्थान में निःशुल्क ऑपरेशन होगा तथा चिन्हित कृत्रिम अंग व कैलिपर्स के रोगियों को आने वाले 2 माह के भीतर पुनः फॉलोअप शिविर में मॉड्यूलर लिंब एवं कैलिपर्स वितरित किए जायेंगे।

राजस्थान में बनेंगे 8 नए जिले और 2 संभाग!

रामलुभाया कमेटी डेढ़ महीने से कर रही मंथन, चुनाव से पहले घोषणा कर सकते हैं गहलोत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान अब 50 जिलों के साथ देश का तीसरा सबसे ज्यादा जिलों वाला राज्य बन गया है, लेकिन चुनाव से पहले कई और नए जिले और संभाग बनाए जा सकते हैं। खुद मुख्यमंत्री भी इसके संकेत दे चुके हैं। इसलिए नए जिलों के लिए गठित रामलुभाया कमेटी का कार्यकाल भी 6 महीने के लिए बढ़ा दिया गया है। इस कमेटी के पास फिलहाल 32 शहरों या बड़े कस्बों को जिला बनाने के प्रस्ताव आ चुके हैं, जिनका पिछले डेढ़ महीने से परीक्षण किया जा रहा था। इनमें से 8 से 10 शहरों को जिला बनाने योग्य माना जा रहा है। कई क्षेत्रों की फाइल तो खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधायकों-मंत्रियों और आम जनता की मांग पर कमेटी के पास भिजवाई है। सूत्रों की मानें तो सरकार जल्द ही और नए जिलों की घोषणा कर सकती है।

कमेटी के पास पहुंचे 30 से ज्यादा नाम

जिला बनाने के लिए गठित राज्य स्तरीय कमेटी के चेयरमैन रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया ने भास्कर को बताया कि हमारे पास अब भी 30-32 प्रस्ताव विचाराधीन हैं, जिन्हें जिला बनाने की मांग है। इनमें से 8 से 10 प्रस्ताव ऐसे हैं, जो जिला बनने की लगभग सभी योग्यताओं व मापदंडों को पूरा करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व वाली कमेटी का कार्यकाल पहले 30 सितंबर था। अब 6 महीने का एक्सटेंशन मिलने के बाद यह कमेटी 31 मार्च-2024 तक काम करेगी। रामलुभाया ने बताया कि जल्द ही कुछ नए जिलों के प्रस्ताव की पूरी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को भेजेंगे। इसके बाद आगे राज्य सरकार पर निर्भर करता है कि वो उन शहरों को जिला बनाए या नहीं। राजस्व मंत्री रामलाल जाट की मानें तो जिलों के साथ-साथ नए संभाग के नाम भी सामने आ सकते हैं।

सुजानगढ़ : दिवंगत मंत्री ने किया था वादा, नहीं बन पाया जिला

सुजानगढ़ (चूरू) से कांग्रेस के दिग्गज दिवंगत नेता मास्टर भंवरलाल 2018 का चुनाव जीतने पर जिला बनाने का वादा किया था। 2020 में उनका निधन हो गया। उप चुनाव में यह सीट उनके बेटे मनोज मेघवाल ने जीती। विधायक मनोज मेघवाल ने 15 नवगठित जिलों में सुजानगढ़ का नाम नहीं आने पर क्षेत्र में आंदोलन कर रहे लोगों से वादा किया था कि सीएम गहलोत यहां भी जिले की सौगात देंगे। सुजानगढ़ राजस्थान के 10 सबसे विकसित शहर-कस्बों (गैर जिला) में गिना जाता है। पिछले तीन महीनों से कई बार नागरिक संगठन जिला बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे में कमेटी सुजानगढ़ पर भी गंभीरता से विचार कर रही है।

सूरतगढ़ : खुद सीएम गहलोत दे चुके जिला बनाने का आश्वासन

भारत-पाकिस्तान की सरहद पर बसा हुआ सूरतगढ़ सैन्य दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण शहर है। साथ ही वहां तापीय बिजली का बड़ा प्लांट है, जो प्रदेश के लिए बहुत खास है। रेगिस्तानी इलाका होने से गांव ढाणी दूर-दूर बसे हुए हैं। सूरतगढ़ फिलहाल जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर से 70 और नवगठित जिले अनूपगढ़ से करीब 78 किलोमीटर दूर है। जिला बनाने पर इलाके में सरकार के लिए प्रशासनिक व्यवस्था चलाना ज्यादा आसान हो सकेगा। सूरतगढ़ को जिला नहीं बनाए जाने के विरोध में एक महीना पहले क्षेत्र के लोग आंदोलनरत थे। पूर्व विधायक गुरुशरण छाबड़ा की पुत्रवधू छाबड़ा भी धरने पर बैठ गई थीं। तब सीएम गहलोत ने स्वयं छाबड़ा को अनशन समाप्त करने के लिए मनाया। साथ ही वादा किया कि सूरतगढ़ को जल्द ही जिला बनाया जाएगा। कमेटी सूरतगढ़ को जिला बनाने की फाइल पर स्टडी कर रही है।

भिवाड़ी : दो शहर जिले बने, लेकिन भिवाड़ी छूट गया

बसपा से जीतकर कांग्रेस में शामिल हुए 6 विधायकों में से दो संदीप यादव और दीपचंद खेरिया दोनों अपने-अपने क्षेत्र क्रमश भिवाड़ी-तिजारा और खैरथल को जिला बनाने की मांग कर रहे थे। खैरथल को जिला बनाने की घोषणा तो कर दी गई। ऐसे में तिजारा से विधायक संदीप यादव विधानसभा के बाहर ही धरने पर बैठ गए। अंततः सरकार ने उनकी मांग भी पूरी कर दी और तिजारा को खैरथल के साथ (बहरोड़-कोटपूतली और डीडवाना-कुचामन की तर्ज पर) शुक्र वार को जिला घोषित कर दिया। अब समस्या यह है कि दोनों शहरों में बड़ा डिस्टेंस है। एसपी-कलेक्टर के कार्यालय कहां होंगे? क्योंकि एसपी पहले से ही भिवाड़ी में बैठ रहे हैं। फिर प्रदेश में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला ब्लॉक भिवाड़ी में कौनसे कार्यालय होंगे। प्रदेश के चुनिंदा 14 शहरों में यूआईटी की तर्ज पर भिवाड़ी में BIDA (भिवाड़ी इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट अथॉरिटी) भी है। रीको, उद्योग विभाग, हाईवे के कार्यालय भी हैं। राजस्थान के 33 जिलों के अलावा पुलिस अधीक्षक (एसपी) का केवल भिवाड़ी में ही कार्यालय संचालित है। ऐसे में कमेटी अब भिवाड़ी के लिए भी नए जिले की सिफारिश कर सकती है।

भीनमाल : बड़ा व्यापारिक-औद्योगिक कस्बा, राजनीतिक इच्छा कमजोर

भीनमाल जालोर जिले में स्थित है और दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा व्यापारिक-औद्योगिक कस्बा है। हाल ही सीएम गहलोत जब इस क्षेत्र में गए थे तो स्थानीय नागरिकों ने उनसे जिला बनाने की मांग की थी। हालांकि क्षेत्र में किसी बड़े राजनेता की मौजूदगी नहीं होने से जिला बनाने की मांग को लेकर भीनमाल में कोई बड़ा आंदोलन खड़ा नहीं हो पाया है। पास में स्थित बालोतरा और सांचौर को भी जिला बना दिया गया है। बालोतरा से विधायक मदन प्रजापत करीब ढाई वर्ष से नंगे पैर रहे। उन्होंने बालोतरा को जिला बनाने की मांग के लिए विधानसभा में ही जूते खोल दिए थे। ऐसे ही सीएम गहलोत की कैबिनेट में मंत्री सुखराम विश्नोई ने अपने विधानसभा क्षेत्र सांचौर को जिला बनवा लिया है। अब भीनमाल की व्यापारिक-औद्योगिक प्रगति को देखते हुए कमेटी इसे जिला बनाने पर विचार कर रही है।

निम्बाहेड़ा : सीमेंट उद्योग में नंबर वन

चित्तौड़गढ़ जिले में आने वाला निम्बाहेड़ा दक्षिणी राजस्थान का सबसे समृद्ध शहर है। सीमेंट उत्पादन इकाइयों और औद्योगिक कारखानों से यहां समृद्धि आई है। मध्य प्रदेश व राजस्थान की सरहद पर है। यहां से विधायक उदयलाल आंजना गहलोत कैबिनेट में ताकतवर मंत्री हैं। उनकी तरफ से मांग है कि चित्तौड़गढ़ जिले को संभाग और निम्बाहेड़ा को जिला बनाया जाए। अब नए प्रस्तावों में दोनों में से एक मांग संभव लग रही है।

लाडनूं : पायलट समर्थक मुकेश भाकर की है मांग

नागौर जिले के लाडनूं कस्बे को कोटपूतली-बहरोड़ और डीडवाना-कुचामन की तर्ज पर सुजानगढ़-लाडनूं (सुजला नाम से) जिला घोषित करवाने की मांग लंबे अर्से से की जा रही है। लाडनूं से सचिन पायलट के समर्थक विधायक मुकेश भाकर प्रयास कर रहे हैं कि लाडनूं जिला बने, हालांकि फिलहाल यह मुश्किल लग रहा है, क्योंकि पायलट समर्थक विधायकों के चुनाव क्षेत्रों को नए जिलों का उपहार नहीं मिला है। अब कमेटी की सिफारिश पर ही सब कुछ निर्भर करता है। लाडनूं कस्बा कमेटी के चुनिंदा विचाराधीन प्रस्तावों में शामिल तो है।

मालपुरा (टोंक) : दो-दो विधायकों की नहीं चलने दी

टोंक जिले में आने वाला मालपुरा को जिला बनाने की मांग बरसों पुरानी है, लेकिन हाल ही में जब केकड़ी और दूदू को जिला घोषित किया गया, तब मालपुरा को इनमें मिलाया जा रहा था। मालपुरा को केकड़ी और दूदू में मिलाने के लिए दोनों जगहों के विधायक डॉ. रघु शर्मा व बाबूलाल नागर प्रयास कर रहे थे पर मालपुरा में स्थानीय लोगों ने अनशन, धरने और प्रदर्शन के जरिए राजनीतिक माहौल गर्मा दिया। वर्तमान विधायक कन्हैयालाल चौधरी सहित चार पूर्व विधायक भी विरोध में उतर गए थे। प्रदेश के बीस सूत्री कार्यक्रम (बीसूका) के चेयरमेन डॉ. चंद्रभान ने भी सीएम से मालपुरा के पक्ष में फैसला करने की मांग की थी। सभी ने एक स्वर में मांग जारी रखी कि मालपुरा को या तो वर्तमान टोंक जिले में ही रखा जाए अन्यथा नया जिला बनाया जाए। अंततः मालपुरा को दूदू और केकड़ी में नहीं मिलाया गया। अब मालपुरा को अलग से जिला बनाने का प्रस्ताव भी कमेटी के विचाराधीन है।

देवली : केकड़ी और शाहपुरा में बंटने का विरोध, अब नए जिले पर विचार

देवली को शाहपुरा (भीलवाड़ा) और केकड़ी (अजमेर) के नए जिलों में शामिल किया जाना प्रस्तावित था। राजस्थान के पूर्व डीजीपी हरीश मीना यहां से कांग्रेस विधायक हैं। मीना वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री नमोनारायण मीना के भाई हैं, जो सीएम गहलोत के नजदीकी लोगों में से एक रहे हैं। देवली को केकड़ी या शाहपुरा में मिलाने से आगामी विधानसभा चुनावों में मीना को परेशानी का सामना करना पड़ता। क्षेत्र के लोगों का विरोध था। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार देवली जनसंख्या, उपखंड-तहसील, विधानसभा, हाईवे, कॉलेज, अस्पताल, परिवहन आदि हर दृष्टिकोण से केकड़ी व शाहपुरा से बेहतर स्थिति में है। ऐसे में देवली को केकड़ी या शाहपुरा में मिलाने की बजाय नया जिला बनाया जाना चाहिए। अंततः सीएम गहलोत ने देवली को केकड़ी व शाहपुर से बाहर ही रखा है। अब कमेटी देवली को जिला बनाने की सिफारिश करने पर विचार कर रही है।

सांभर-फुलेरा : आम लोगों ने जीती सीएम के सलाहकार विधायक की जिद के खिलाफ लड़ाई

राजस्थान के सबसे ज्यादा विकसित 10 उपखंड मुख्यालयों में शामिल सांभर व फुलेरा जयपुर जिला मुख्यालय से अलग होकर अब जयपुर ग्रामीण जिले में चले गए हैं। इन्हें दूदू में लिए जाने की घोषणा दूदू के विधायक बाबूलाल नागर ने कर दी थी। नागर निर्दलीय विधायक हैं और सीएम गहलोत के सलाहकार भी, लेकिन क्षेत्र के लोगों ने पिछले चार महीनों में पूरी मजबूती से आंदोलन कर नागर की राजनीतिक जिद का पुरजोर विरोध किया। क्षेत्रीय लोगों ने स्टेट-नेशनल हाईवे तक जाम कर दिए। अब सांभर व फुलेरा को दूदू में तो नहीं डाला गया है। दोनों शहर अब जयपुर ग्रामीण जिले में शामिल हैं, लेकिन कमेटी अब भी इन्हें जिला बनाने की सिफारिश कर सकती है।

भीलवाड़ा-अलवर को संभाग और कुछ अन्य शहरों को जिला बनाने के प्रयास जारी : राजस्व मंत्री

प्रदेश के राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने भास्कर को बताया कि भीलवाड़ा व अलवर को संभाग बनाने सहित कुछ अन्य शहरों को जिला बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य स्तरीय कमेटी का समय भी इसीलिए बढ़ाया गया है। भीलवाड़ा को फिलहाल उदयपुर संभाग में शामिल किया गया है, लेकिन राजस्व संबंधी संभावनाएं देखने के बाद भीलवाड़ा को अलग से संभाग घोषित किया जाएगा। इसी तरह अलवर अभी जयपुर संभाग में है। दोनों ही जिला मुख्यालय हर दष्टि से संभाग बनने लायक हैं। मुझे उम्मीद है सीएम भीलवाड़ा और अलवर दोनों को संभाग बनाएंगे। मैं स्वयं भीलवाड़ा जिले से ही विधायक भी हूं, ऐसे में मेरे पूरे प्रयास हैं कि यह काम हो जाए। इसके अलावा सुजानगढ़, मालपुरा, भिवाड़ी, सूरतगढ़ सहित कुछ और शहर-कस्बे हैं, जो जिले बनाए जा सकते हैं। कमेटी ऐसे प्रस्तावों पर विचार कर रही है।

मौसमी बिमारियों की रोकथाम आवश्यक- डॉ पंकज गौड

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौडगढ। चिकित्सा एंव स्वास्थ्य विभाग के डॉ पंकज गौड, उप निदेशक संभाग उदयपुर ने सांवलिया जी राजकीय जिला चिकित्सालय का दौरा किया। उन्होने चिकित्सालय के मेडिसीन वार्डो की व्यवस्थाओ का निरीक्षण किया। उन्होने राज्य सरकार की महात्वाकांशी जनकाल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच एंव दवा तथा चिरंजीवी योजना की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होने जिला चिकित्सालय की दैनिक ओपीडी, आईपीडी, दवा वितरण एंव पर्ची ईन्द्राज आदि की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश किये। उन्होने मेडिकल वार्ड में भर्ती रोगियो से योजनाओ क्रियान्वयन, सुझाव के बारे में विस्तृत जानकारी ली। डॉ गौड ने गायनिक वार्ड में भर्ती प्रसुताओ से जननी सुरक्षा योजना के बारे में जाना। निरीक्षण में डॉ अनिस जैन (मेडिसीन), डॉ मिठ्ठा लाल मीणा (नोडल अधिकारी चिरंजीवी योजना) डॉ प्रवीण शर्मा, विभागाध्यक्ष स्त्रीरोग, डॉ रामकेश गुर्जर, मनोज गोयल, खुशवन्त कुमार हिण्डोनिया, डॉ मुनैश बैरवा आदि उपस्थित रहे।

मौसमी बिमारियों की समीक्षा

डॉ पंकज गौड, उपनिदेशक संभाग उदयपुर ने जिला चिकित्सालय के निरीक्षण बाद सीएमएचओ कार्यालय में मौसमी बिमारीयो की समीक्षा की, डॉ रामकेश गुर्जर ने बताया कि वर्तमान में मौसमी बिमारया नियंत्रण मे है मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, SR ब टॉयफस आदि की स्थिति नियंत्रण में है। नियंत्रण कक्ष, स्थापित कर आरआरटी टीमें गठित कर ली गई है। घर-घर सर्वे का कार्य जारी है। जिले में गुणवत्तापूर्ण एन्टीलार्वल, एन्टी एडल्ट, सोर्स रिडक्शन गतिविधियो का निरन्तर एंव नियमित आयोजिन की जा रही है। समीक्षा बैठक में खुशवन्त कुमार हिण्डोनिया, जिला डाटा प्रबंधक आईडीएसपी उपस्थित रहे।

Ranthambor National Park : वन विभाग के अनुसार वर्तमान में रणथम्भौर नेशनल पार्क में 100 से ज्यादा भालुओं की मौजूदगी

बाघों की नगरी में बढ़ने लगी भालूओं की चहल-कदमी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। बाघों के कारण देश व दुनिया में रणथंभौर नेशनल पार्क को जाना जाता है, लेकिन अब रणथंभौर में ना सिर्फ बाघ बल्कि दुर्लभ प्रजाति कहे जाने वाला भालू भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनते जा रहे हैं। यहां कभी भालुओं की प्रजाति धीरे.धीरे लुप्त होने के कगार पर थी ए लेकिन अब भालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इससे वन्य जीव प्रेमियों में खुशी की लहर है।वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में रणथम्भौर में 100 से अधिक भालू हैं।

वनस्पति के रक्षक होते हैं भालू

वन्य जीव विशेषज्ञों की माने तो किसी भी वन क्षेत्र की लम्बी आयु वहां विचरण करने वाले भालूओं की संख्या पर ही निर्भर करती है। बहुत कम लोग यह जानते हैं कि भालू जंगल में पेड़.पौधों के

दीमक को खाते हैं जिससे वनस्पति को जीवनदान मिलता है।

बीस साल होती है उम्र

वन्य जीव विशेषज्ञों की माने तो भालू की औसत आयु करीब बीस साल होती है। भालू के नाखून नुकीले होने के कारण बाघ भी भालुओं पर हमला करने में डरते हैं। वहीं कोर एरिया में विचरण नहीं होने से भी यह सुरक्षित रहते है, जिससे इनके कुनबे में वृद्धि हो रही है। वन्यजीव विशेषज्ञों व वनाधिकारियों की माने तो रणथम्भौर में ग्रास लैण्ड विकसित होने के कारण भालुओं की संख्या में इजाफा हो रहा है।

इन क्षेत्रों में हो रही अधिक साइटिंग

रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या में इजाफा होने के साथ ही भालू के दीदार भी पर्यटकों को अधिक होने लगे हैं। इन दिनों रणथम्भौर के बाहरी जोनों छह, आठ, नौ दस व जोन नम्बर एक में पर्यटकों को बाघों की साइटिंग अधिक हो रही है।

सरिस्का में चार भालू

सरिस्का में इसवर्ष पहले चरण में चुण्डा माता व माउंट आबू से तीन भालू लाए गए थे। इसके बाद एक भालू को और लाया गया। ऐसे में सरिस्का में वर्तमान में चार भालू है। वहीं मुकुंदरा में भी भालूओं की संख्या काफी कम है।

यह है कारण

इसके अलावा रणथम्भौर में भालुओं की संख्या बढने का कारण शिकार पर अंकुश लगना भी है। 2003-2004 के आस.पास भालूओं का शिकार अधिक होने के कारण ये लुप्त होने के कगार पर थेए लेकिन अब फिर से इनकी संख्या में इजाफा हो रहा है। इसके अलावा मानसून भी अच्छा रहने के कारण भी भालुओं की संख्या में वृद्धि हो रही है। बारिश का काल भालुओं का प्रजनन काल होता है। साथ ही वनस्पति भी बढ़ जाती है। जंगल के हरा भरा होने से भालू को आसानी से भोजन उपलब्ध हो जाता है।

रणथम्भौर में भालुओं की संख्या में इजाफा हो रहा है। रणथम्भौर का ग्रास लैण्ड विकसित होने व शिकार पर पाबंदी होने से भालुओं की संख्या बढ़ी है।

अरविंद कुमार झा, उपवन संरक्षक, रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाईमाधोपुर।

पंडित धीरेन्द्र शास्त्री आएंगे अलवर, 25 से 27 सितंबर तक होगी कथा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अलवर। हाल ही में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने अलवर में शिव महापुराण कथा की थी। अब इसके बाद शहर में पंडित धीरेन्द्र शास्त्री आएंगे। उनके आने का कार्यक्रम तय हो गया है। आज अगस्त को सुबह 10 बजे जैन मंदिर के पीछे पेंशनर भवन में कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

पंडित धीरेन्द्र शास्त्री अगले महीने आएंगे अलवर

हाल ही में प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने अलवर में शिव महापुराण कथा की थी। अब इसके बाद शहर में पंडित धीरेन्द्र शास्त्री आएंगे। उनके आने का कार्यर्‍म तय हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडित धीरेन्द्र शास्त्री 25 से 27 सितंबर तक हनुमंत कथा करेंगे। उनकी कथा लोहिया का तिबारा के पास होगी। हालांकि इसके लिए अभी प्रशासन की अनुमति मिलना बाकी है। सीए श्रीकृष्ण गुप्ता ने बताया कि कथा से पहले दिन 24 सितंबर को सुबह 7 बजे शहर में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इससे पहले आज अगस्त को सुबह 10 बजे जैन मंदिर के पीछे पेंशनर भवन में कार्यालय का उद्घाटन किया गया। कार्यालय पर ही आगामी कार्यर्‍म की रूपरेखा बनाने के लिए राम सेवकों की बैठक होगी। इसके बाद नौ अगस्त को होप सर्कस पर गणेश जी को निमंत्रण दिया जाएगा। 12 अगस्त को लोहिया का तिबारा के पास भूमि पूजन होगा। 15 अगस्त को नया भूरा सिद्ध हनुमान मंदिर में हनुमान जी को निमंत्रण दिया जायेगा।

Independence Day : डाकघरों से 30 रुपए में मिल रहा है गंगाजल

स्वतंत्रता दिवस पर डाक घरों में 25 रुपए में मिलेगा तिरंगा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अलवर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देश के हर नागरिक को डाक घरों से तिरंगा लेने की छूट है। केवल 25 रुपए में एक तिरंगा ले सकते हैं। तिरंगा सीधे घर पर भी मंगा सकते हैं, जिसके लिए पोस्ट ऑफिस पोटर्ल पर ऑर्डर कर सकते हैं। एक ऑर्डर पर 5 तिरंगे ले सकते हैं। यह जानकारी अलवर मंडल के प्रवर अधीक्षक जब्बार ने मीडिया को दी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हर घर को तिरंगा लगाने की छूट है। तिरंगे को पूरे सम्मान से लगाएं और फिर उसी सम्मान से उतार रख लें। खादी विभाग की ओर से तिरंगे बनाकर डाक घरों में आ चुके हैं। 14 अगस्त तक तिरंगे ले सकते हैं। एक तिरंगा 25 रुपए में मिलेगा। घर पर अधिकतम 5 तिरंगे मंगवा सकते हैं।

राष्ट्रीयता का प्रतीक है तिरंगा

जब्बार ने बताया कि हम 14 अगस्त तक हर नागरिक के लिए डाक घरों में तिरंगा झंडा मिलेगा। हर डाकघर से सम्मान के साथ ले सकते हैं। आमजन को कहना चाहूंगा कि राष्ट्रीय ध्वज राष्ट्रीयता का प्रतीक होता है। किसी भी हालत में तिरंगे का अपमान नहीं होना चाहिए। कहीं कोई गलती मिलती है तो आमजन को तुरंत दुरुस्त भी करना चाहिए।

गंगाजल की बोतल 30 रुपए में

अभी सावन मास जारी है। गंगोत्री से गंगाजल हर डाकघर में मिल रहा है। कोई भी नागरिक 30 रुपए की बोतल खरीद सकता है। आगे रक्षाबंधन भी महत्वपूर्ण त्योहार है। भाई-बहन के प्रेम का त्योहार है। इस उपलक्ष्य पर कहना चाहूंगा कि बहनों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर भी आगे रहना चाहिए। महिला सम्मान निधि के खाते खुलवाएं, ताकि बहनों को आर्थिक रूप से भी सुरक्षित किया जा सके। डाक घरों से राखी के लिए केवल 10 रुपए में वाटर प्रूफ लिफाफे भी प्राप्त कर सकते हैं।

अधिक मास में महिलाओं ने किया पुरुषोत्तम भगवान का पूजन

मांडवला (जालोर) @ जागरूक जनता। ग्राम पंचायत मांडवला में महिलाओं द्वारा श्रावण मास में सवा महीने का व्रत रखकर पीपली पूजन व धरती माता पुरुषोत्तम भगवान का रोजाना 2 घंटे कथा सुनना उसके बाद व्रत खोलना वही महिला द्वारा सुबह पीपली पूजन कर धरती माता की पूजन की जाती हैं। वहीं अनेक मंदिरों में भी उनके द्वारा दर्शन किए जाते हैं। फिर सुबह 11 बजे कथा सुनाई जाती हैं और 2 बजे के बाद भगवान को भोग लगाकर व्रत खोला जाता है। जानकारी के अनुसार भानू दवे यह सवा महीने का महिला व्रत के बाद में धरती माता पुरुषोत्तम भगवान को मिष्ठान मालूबा का भोग लगाकर व्रत खोला जाता है। उस दिन व्रत खोलने के बाद मिष्ठान वस्त्र भेंट अन्य सामग्री भी भेंट कर दी जाती है।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल में उत्साह से लिया भाग

मांडवला @ जागरूक जनता। राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल आयोजित के दूसरे दिन स्थानीय विद्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मांडवला के प्रांगण में बॉलीबॉल टेनिस बॉल क्रिकेट रस्सा रसी महिला खेलों का आयोजन हुआ। जिसमें 6 टीमों ने भाग लिया। और तीन टीमों ने जीत का सिरमौर अपनी झोली में डाला। और ब्लॉक स्तरीय खेल में अपनी जगह बनाई। साथ ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और ग्रामीण मांडवला टीम के बीच मैच हुआ। इस मौके पर एंपायर की भूमिका नूर मोहम्मद व असलम खान ने निभाई। वॉलीबॉल के मैच का शुभारंभ सरपंच सोहन लाल गर्ग संस्था प्रधान उम्मेद कुमार शर्मा, विनोद गौड भामाशाह प्रेरक व पूर्व गणपत सिंह व महेश शर्मा, पंकज वैष्णव के सानिध्य में हुआ। वही महिला रस्सा रसी को रौचक प्रतियोगिता का आगाज भी इन्हीं के सानिध्य में हुआ। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ व समस्त ग्रामीण मौजूद रहे।

स्थानांतरण होने पर थाना अधिकारी का किया विदाई समारोह

मांडवला जालोर @ जागरूक जनता। बिशनगढ में कोतवाली पुलिस थाना बिशनगढ पुलिस थाना अधिकारी बाबूलाल राणा का स्थानांतरण होने पर कोतवाली थाने के समस्त स्टाफ ने विदाई समारोह से थाना अधिकारी बाबूलाल राणा को विदाई दी गई। इस अवसर पर किशनलाल एएसआई, रमेशजी हेडकांस्टेबल, जितेंद्र कुमार, रणवीरसिंह, देवीसिंह, छोटेलाल, राकेश कुमार, बद्रीनारायण,थाना राम सहित उपस्थित रहे।

रणथम्भौर की बाघिन पहुंची रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बूंदी। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में लंबे समय से बाघिन शिफ्टिंग का इंतजार रविवार को खत्म हो गया। रणथम्भौर में तीन दिन की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम को इस काम में सफलता मिली है। बाघिन टी-119 ट्रेंकुलाइज करने के बाद रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के लिए देर शाम रवाना किया गया।रणथम्भौर टाइगर रिजर्व प्रथम के डीएफओ मोहित गुप्ताने बताया कि पिछले दो-तीन दिन से रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में बारिश के मौसम के चलते टाइग्रेस को ट्रैक नहीं किया जा सका था, जिसकी वजह से टाइग्रेस शिफ्टिंग में देरी हो रही थी। टाइग्रेस को वन विभाग की तीन टीम लगातार ट्रेस करने की कोशिश कर रही थी, जिसके बाद रविवार शाम करीब पांच बजे वन विभाग की टीम ने बाघिन टी-119 को गुढा वन क्षेत्र में ट्रेस किया, जिसकी सूचना टीम ने वन विभाग के उच्चाधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग के उच्चाधिकारी गुढा वन क्षेत्र पहुंचे। यहां पहुंचकर बाघिन को साढ़े छह बजे ट्रेंकुलाइज किया गया। बाघिन को ट्रेंकुलाइज करने के बाद रणथम्भौर की वेटरनरी डॉक्टर की टीम ने टाइग्रेस का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसके बाद बाघिन को रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के लिए सड़क मार्ग से भेज दिया गया।

बाघ टी-57 और बाघिन टी-60 की बेटी है टी-119

बाघिन टी -119 की उम्र करीब 4 साल उम्र है। बाघ टी-57 और बाघिन -60 की बेटी है, जिसकी टेरीटरी रणथम्भौर के मोर डूंगर पेराफेरी में थी, जिसकी वजह से बाघिन को रिलोकेट किया गया है।

अब रामगढ़ में छह बाघ-बाघिन

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में अब छह बाघ-बाघिन हो गए है। गत दिनों यहां एक मात्र बाघिन ने तीन बच्चों को जन्म दिया था। वहीं एक और बाघिन मिलने के साथ इनकी संख्या अब छह हो जाएगी।

15 वाहनों का लवाजमा

रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से वन विभाग के अधिकारियों का लवाजमा करीब 15 वाहनों के लवाजमे के साथ रवाना हुआ। इस पूरे टाइगर रिलोकेशन प्रोग्राम में करीब 30 वनाधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

हर गांव में अंकित होंगे वीरों-शहीदों के नाम

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

झुंझुनूं। जिले के हर गांव में अब वीरों के नाम शिला पर अंकित किए जाएंगे। देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी 980 गांवों व 336 ग्राम पंचायतों में बुधवार से 15 अगस्त तक शिला फलकम पर वीरों के नाम अंकित किए जाएंगे। इसके अलावा वहां जिले में 75 स्थानीय पौधों से अमृत वाटिकाएं तैयार की जाएंगी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जवाहर चौधरी ने सभी विकास अधिकारियों को अभियान के तहत कार्यक्रम करवाने के निर्देश दिए हैं। सीईओ चौधरी ने बताया कि सभी ग्राम पंचायतो पर 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रमों का आयोजन 9 से15 अगस्त तक किया जाएगा। हर ग्राम से अमृत वाटिका की एक कलश माटी ग्राम पंचायत तक लाई जाएगी। यहां तैयार अमृत वाटिका से एक कलश तैयार कर ब्लॉक स्तर तक लाया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर ग्राम पंचायतों से लाई गई माटी से तैयार अमृत वाटिका से स्थानीय पौधा रोपकर एक कलश तैयार किया जाएगा। ब्लॉक स्तर से नेहरू युवा केन्द्र के स्वयंसेवकों या जनप्रतिनिधियों आदि द्वारा पौधा लगे इस मिट्टी के कलश को नई दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए ले जाया जाएगा। नेहरू युवा केन्द्र की युवा अधिकारी मधु यादव ने बताया कि नेहरू केन्द्र के युवाओं में इस कार्य को लेकर उत्साह है। उनको इस बारे में प्रशिक्षण दे दिया गया है।

हमारा स्वास्थ्य-हमारी जिम्मेदारी अभियान द्वितीय चरण प्रारम्भ

चित्तौडगढ़ @ जागरूक जनता। हमारा स्वास्थ्य-हमारी जिम्मेदारी अभियान का द्वितीय चरण शुरू हो गया है। डॉ रामकेश गुर्जर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि हमारा स्वास्थ्य हमारी जिम्मेदारी अभियान का द्वितीय चरण 15 सितंबर तक चलेगा। इसमें मुख्य रूप से यथा-सोर्स रिडक्शन, एंटीलार्वा, सर्वे, सैम्पलिंग और जागरुकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। डॉ रामकेश गुर्जर ने बताया कि वर्षा जलभराव के बाद संभावित मच्छर जनित मौसमी बीमारियां डेंगू, मलेरिया, चिगनगुनिया, स्क्रबटाइफस) आदि की रोकथाम व नियंत्रण के लिए चिकित्सा विभाग के साथ-साथ अब अन्य विभागों का भी सहयोग लिया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत विभागीय टीमों द्वारा नियमित सर्वे, सोर्स रिडक्शन, एंटीलार्वा व लार्वा प्रदर्शन गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

ANCHOR | बोर्ड ने बदले नियम

इतने प्रतिशत से कम आए नम्बर तो होंगे फेल!

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। 8वीं बोर्ड परीक्षा में 33 प्रतिशत से कम नम्बर आने पर अब विद्यार्थियों को फेल घोषित किया जाएगा। उन्हें फिर से आठवीं कक्षा में ही पढ़ना होगा। सरकार ने आठवीं बोर्ड परीक्षा के नियम में बदलाव कर यह व्यवस्था की है। ताकि विद्यार्थी व अभिभावक पढ़ाई के प्रति गंभीरता बरते और फेल होने की चिंता के चलते बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देंगे। इससे बच्चे व अभिभावक फेल न होने की मानसिकता से बाहर आएंगे। परीक्षा में बोर्ड की गरिमा बनी रहने से विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति गंभीर होंगे। साथ ही उनका शैक्षणिक स्तर भी मजबूत होगा।

वर्ष 2020 को जारी हुआ था गजट नोटिफिकेशन

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को फेल नहीं करने का नियम है। हालांकि इसमें ग्रेडिंग सिस्टम निर्धारित किया हुआ है। आठवीं कक्षा के लिए अब नियम बदल गए हैं। केंद्र व राज्य सरकार का गजट नोटिफिकेशन के जरिए यह बदलाव किए हैं। 16 सितंबर 2020 को गजट नोटिफिकेशन जारी हुआ था जिसमें बताया था कि आठवीं में जब विद्यार्थी फेल भी हो सकेंगे। इस संबंध में केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी की थी। इसके अनुसार आठवीं कक्षा की मुख्य परीक्षा में यदि कोई विद्यार्थी पास नहीं होता है तो उसे सप्लीमेंट्री घोषित किए जाने का प्रावधान तय हुआ है। सप्लीमेंट्री परीक्षा का आयोजन 60 दिन के भीतर होगा। इसमें फेल होने पर विद्यार्थी को कक्षा नवीं में दाखिला नहीं दिया जाएगा। ऐसे विद्यार्थियों को फिर से कक्षा आठवीं पढनी होगी।

8वीं 5वीं की पूरक परीक्षाएं 10 को

शिक्षा विभाग ने 8वीं और 5वीं कक्षा की सप्लीमेंट्री परीक्षाओं की तैयारिया शुरू कर दी है। इन दोनों कक्षाओं की पूरक परीक्षाएं अगले सप्ताह 10 अगस्त से शुरू होंगी, जो 17 अगस्त तक जारी रहेंगी। हालांकि 5वीं की परीक्षाएं एक दिन पहले 16 अगस्त को ही खत्म हो जाएगी। वहीं 8वी की पूरक परीक्षा में राज्यभर से 69 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। जबकि पांचवी में 37 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे।

यह है ग्रेडिंग सिस्टम

कक्षा एक परीक्षा परिणाम में डिवीजन की बजाए ग्रेडिंग सिस्टम निर्धारित किया हुआ है। जिसके तत 86 से 100 प्रतिशत तक अंक आने पर अभ्यर्थियों को ए ग्रेड मिलती है। इसी तरह 71 से 85 प्रतिशत अंक पर बी ग्रेड, 51 से 70 प्रतिशत अंक लाने पर सी ग्रेड, 33 से 50 प्रतिशत तक लाने वाले स्टूडेंट्स को डी ग्रेड दिया जाता है। वहीं 33 प्रतिशत से कम पानी 0 से 32 प्रतिशत अंक लाने वाले अभ्यर्थियों को ई.ग्रेड दी जाती है। जिनके अनुसार फेल घोषित किया जाएगा।

ई-ग्रेड वाले अगली कक्षा में नहीं होंगे क्रमोन्नत

आठवीं बोर्ड की पूरक परीक्षा में 33 फीसदी से कम अंक लाने वाले अभ्यर्थियों को फेल घोषित किया जाएगा। ऐसे में इन्हें वापस आठवीं कक्षा में ही अध्ययन करना होगा। वहीं, निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2019 (संशोधित) के तहत पिछले सत्र से आठवीं कक्षा में यह नया प्रावधान लागू कर दिया गया था। इस बार आठवीं कक्षा की पूरक परीक्षा में अनुत्तीर्ण यानी ई.ग्रेड प्राप्त विद्यार्थियों को आगामी कक्षा में क्रमोन्नत नहीं किया जाएगा। हालांकि पांचवी कक्षा में अनुत्तीर्ण करने का प्रावधान नहीं है।

आठवीं बोर्ड की पूरक परीक्षा में किसी विद्यार्थी के 33 प्रतिशत से कम अंक आते है तो उसे प्रावधान के तहत फेल घोषित किया जाएगा। 5वीं व आठवीं की पूरक परीक्षाएं 10 अगस्त से शुरू होगी। जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

सुनील वर्मा, उपाचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सवाईमाधोपुर।

11 सूत्री मांगों को लेकर 18 जुलाई से नर्सिंगकर्मी दे रहे धरना,कहा- संघर्ष जारी रहेगा

नर्सेज ने किया 2 घंटे कार्य बहिष्कार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सांचौर। उपखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में राजस्थान संयुक्त नर्सेज संघर्ष समिति के प्रदेशव्यापी आह्वान पर नर्सिंग कर्मियों का अनिश्चितकालीन धरना जारी है। शनिवार को सांचौर, चितलवाना, सरनाऊ सभी नर्सेज ने 2 घंटे का कार्य बहिष्कार कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान राजस्थान नर्सेज सयुक्त सघर्ष समिति की प्रदेश कार्यकारणी के आह्वान पर सयोंजक जुजाराम राम पुनिया और ब्लॉक के समस्त वरिष्ठ सीनियर नर्सिंग ऑफिसर के नेतृत्व मे ब्लॉक के सभी स्वास्थ्य केंद्रों के स्वास्थ्य कर्मियों ने सुबह 8 बजे से 10 बजे तक नर्सेज ने काम नहीं किया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में नारेबाजी कर सरकार के खिलाफ विरोध जताया। मेल नर्स के मुताबिक 18 जुलाई से धरना दे रहे हैं मगर अभी तक सरकार की तरफ से कोई भी बातचीत या आश्वासन देने नहीं आया है। अनिश्चितकालीन धरने में नर्सिंग कर्मी अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मांगे पूरी नहीं हुई तो वे 23 अगस्त को जयपुर में राज्य स्तरीय रैली के लिए कूच करेंगे। इस मोके पर नरोत्तम वैष्णव,जोगाराम पुरोहित, गणपतदान चारण,दशरथ गुलसर सरनाऊ, कन्हैयालाल शर्मा, माधाराम पुरोहित, किशनलाल विश्नोई, किशनलाल फुलावारीया, सांवलाराम देवासी, सुमा सिस्टर, निर्मला विश्नोई, गायत्री ओझा,विनोद दवे, सुन्दर विश्नोई एएनम समेत सांचौर, चितलवाना, सरनाऊ ब्लॉक के स्टॉफ उपस्थित थे।

11 सूत्री मांग

राजस्थान संयुक्त नर्सेज संघर्ष समिति के बैनर तले नर्सिंगकर्मी 11 सूत्री मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। मंगलवार को 2 घंटे का कार्य बहिष्कार किया और नारेबाजी कर विरोध जताया। नर्सिंग कर्मियों ने बताया कि वेतन विसंगति, पदोन्नति, नर्सेज संवर्ग कैडर पुनर्गठन, ड्रेस कोड वितरण, संविदा नर्सेज का नियमितीकरण सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना जारी है। जब तक सरकार नर्सिंग कर्मियों की मांगों पूरा नहीं करती है तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

जागरूक खबरें

■ ज्ञानवापी में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की याचिका खारिज

प्रयागराज @ जागरूक जनता। इलाहाबाद हाईकोर्अ ने ज्ञानवापी परिसर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग में दाखिल जनहित याचिका वापस लिए जाने के आधार पर खारिज कर दी। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर एवं न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने मंगलवार को दिया। वाराणसी की अदालत में श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा की अनुमति के लिए मुकदमा दाखिल करने वाली राखी सिंह, जितेंद्र सिंह बिसेन व अन्य की ओर से जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इसमें ज्ञानवापी परिसर में मिले हिंदू प्रतीक चिन्हों को संरक्षित रखने की बात कही गई थी।

 # Chandrayan 3 : रूस 1976 में चांद पर मिशन लूना-24 उतार चुका है। 11 अगस्त को वह मिशन लूना-25 चांद के लिए लॉन्च करेगा

हमारे चंद्रयान-3 से पहले चांद पर उतरेगा रूस का लूना-25

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मॉस्को। भारत के चंद्रयान 3 के बाद अब रूस भी चांद पर उतरने की तैयारी में है। रूस के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रूस 11 अगस्त को चांद के लिए मिशन लूना-25 लॉन्च कर सकता है। रूस इससे पहले 1976 में चांद पर मिशन लूना-24 उतार चुका है। भारत ने 14 जुलाई को चंद्रयान-3 लॉन्च किया है। यह 23 अगस्त को चांद पर लैंड करेगा। वहीं रूस का लूना-25 इससे पहले चांद पर उतर सकता है। रूस की योजना यान को चंद्रमा के साउथ पोल पर उतारने की है। चांद के इस पोल पर पानी मिलने की संभावना है। रूस वोस्तोचन कोस्मोड्रोम से लूना-25 को लॉन्च करेगा। यह जगह मॉस्को से करीब 5,550 किमी पूर्व में स्थित है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस की तरफ से भी इसकी पुष्टि की गई है। एजेंसी ने कहा कि लूना-25 पांच दिन में चांद तक पहुंच जाएगा। इसके बाद वह 5-7 दिन चांद की ऑर्बिट में रहेगा। इसके बाद चांद पर उतरेगा। यानी इसका चांद पर उतरने का समय करीब-करीब वही रहेगा या कुछ घंटे पहले का रहेगा, जब हमारा चंद्रयान-3 चांद की धरती पर उतरेगा।

सोयुज-2 फ्रिगेट बूस्टर पर लॉन्च होगा

रोस्कोस्मोस ने कहा है कि लूना-25 सोयुज-2 फ्रिगेट बूस्टर पर लॉन्च होगा। यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला लैंडर होगा। मिशन का मकसद सॉफ्ट-लैंडिंग टेक्नोलॉजी को डेवलप करना, चंद्रमा की आंतरिक संरचना पर रिसर्च करना और पानी समेत दूसरी जरूरी चीजों की खोज करना होगा। उम्मीद है कि लैंडर एक साल तक चंद्रमा की सतह पर काम करेगा।

क्यों खास है यह मिशन?

1976 में लॉन्च किया गया लूना-24 चांद की करीब 170 ग्राम धूल लेकर सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस पहुंचा था। अंतरिक्ष विज्ञानी व्लादिमीर सर्डिन ने अनुमान लगाया कि लूना-25 मिशन की सफलता की संभावना 50 फीसदी है।

गांव खाली कराया जाएगा

रोस्कोस्मोस ने बताया है कि लूना-25 मिशन की लॉन्चिंग के लिए रूस के दक्षिण-पूर्व में खाबरोवस्क क्षेत्र में शख्तिंस्की गांव को 11 अगस्त की सुबह खाली करा लिया जाएगा। गांव खाली कराने का कदम सावधानी के तहत उठाया जा रहा है। यह गांव उस अनुमानित इलाके में आता है जहां पर अलग होने के बाद रॉकेट बूस्टर के गिरने की संभावना है।

सीजेआई ने कहा- सरकार के पास खुद 370 में संशोधन करने की शक्ति नहीं

आर्टिकल 370 पर सिब्बल बोले- इसे हटा नहीं सकते

आर्टिकल 370 पर सुप्रीम कोर्ट में 3 साल बाद सुनवाई हो रही है। इससे पहले, 2020 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने इस मामले की सुनवाई की थी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली 23 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में आज यानी 8 अगस्त को फिर सुनवाई हुई। सुनवाई करने वाले पांच जजों की बेंच में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एस के कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं। आर्टिकल 370 पर सुप्रीम कोर्ट में 3 साल बाद सुनवाई हो रही है। इससे पहले, 2020 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने इस मामले की सुनवाई की थी। तब कोर्ट ने कहा था कि हम मामला बड़ी संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर कर रहे हैं।

8 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में आर्टिकल 370 पर बहस

- » **सीजेआई-** आर्टिकल 370 खुद कहता है कि इसे खत्म किया जा सकता है।
- » **सिब्बल-** 370 में आप संशोधन नहीं कर सकते, इसे हटाना तो भूल ही जाइए।
- » **सीजेआई-** आप सही हैं, इसलिए सरकार के पास स्वयं 370 में संशोधन करने की कोई शक्ति नहीं है।
- » **सिब्बल-** ये व्याख्या (अपने शब्दों में समझाना, इंटरप्रिटेशन) करने वाला क्लॉज है, यह संविधान में संशोधन करने वाला क्लॉज नहीं है।
- » **जस्टिस खन्ना-** आर्टिकल 370 के क्लॉज (स्र), राष्ट्रपति इसमें मॉडिफिकेशन कर सकते हैं। अगर ये मॉडिफिकेशन किए जाते हैं तो इसकी प्रर्ि या क्या होगी?
- » **सिब्बल-** नहीं। व्याख्या के मुताबिक, आप 370 में संशोधन नहीं कर सकते। आप संविधान सभा का स्थान नहीं ले सकते. जो आप प्रत्यक्ष रूप से नहीं कर सकते, वह आप अप्रत्यक्ष रूप से नहीं कर सकते।
- » **जस्टिस खन्ना-** इंटरप्रिटेशन क्लॉज में संशोधन नहीं हो सकता?
- » **सिब्बल-** मैं 370 में संशोधन नहीं करूंगा, लेकिन 367 में संशोधन करके 370 में संशोधन करूंगा?
- » **सीजेआई-** 367(4) पहली बार संविधान के साथ नहीं, बल्कि 1954 में लाया गया था। इसलिए जब 367(4) लाया जाता है, यदि आपका तर्क सही है तो 367(4) को मूल रूप से जोड़ा जाना भी अमान्य है।
- » **सिब्बल-** जब कुछ मौजूद नहीं हो तो आप अनिश्चितता का पता नहीं लगा सकते। यह पहला सिद्धांत है।

देश में राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग को मिली संसद की मंजूरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग, दंत चिकित्सा सलाहकार परिषद और दंत चिकित्सा शिक्षा को निगमित करने वाला राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक 2023 मंगलवार को राज्यसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके साथ ही इस पर संसद की मुहर लग गई। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। यह विधेयक दंत चिकित्सा अधिनियम 1948 का स्थान लेगा और राष्टीय दंत चिकित्सा आयोग कथा राष्ट्रीय दंत चिकित्सा सलाहकार परिषद का गठन करेगा। विधायक के अनुसार केंद्र सरकार 33 सदस्यों वाले एक राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग का गठन करेगी। इसकी अध्यक्षता एक प्रतिष्ठित और अनुभवी दंत चिकित्सक करेगा। अध्यक्ष की नियुक्ति खोज और चयन समिति की सिफारिशों के अनुरूप की जाएगी इस समिति की अध्यक्षता कैबिनेट सचिव करेंगे। चर्चा का जवाब देते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि सरकार समग्रता में विश्वास रखती है और उसी दिशा में आगे बढ़ रही है।

वेणुगोपाल करेंगे राजस्थान के नेताओं से चर्चा

कांग्रेस उम्मीदवारों को लेकर मंथन 11 को

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस ने राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारी तेज कर दी है। कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल 11 अगस्त को जयपुर आएंगे। वे यहां पार्टी नेताओं के साथ उम्मीदवारों के मापदंड सहित कई मसलों पर मंथन करेंगे। यह बैठक पार्टी के अस्पताल रोड पर वॉर रूम में होने की संभावना है। इसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, सी.पी. जोशी, सचिन पायलट सहित तीनों सह प्रभारी भी मौजूद रहेंगे।सूत्रों के अनुसार बैठक में उम्मीदवारों को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। पार्टी के बड़े नेता यह बार-बार कह रहे हैं कि सर्वे में जो नेता जिताऊ दिखेगा, उसे ही विधानसभा का टिकट दिया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग स्तर पर सर्वे कराए जा रहे हैं।

उम्मीदवारों की पहली सूची सितंबर में

विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची सितंबर में आ सकती है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी आलाकमान को यही राय दी है। इसके बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव वेणुगोपाल और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डोटासरा भी कह चुके हैं कि उम्मीदवारों की पहली सूची सितंबर में आ जाएगी।

जागरूक जनता के संवाददाता के जन्मदिन पर नवाचार, चलाई अनूठी मुहिम

दुर्घटना रोकने के लिए खुले पशुओं के गले में डाली जायेगी रेडियम की पट्टी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। हर कोई अपना जन्मदिन अलग अलग तरह से मनाते है लेकिन पीपाड़ शहर के समाजसेवी मेहराम गहलोत ने अपने जन्मदिन पर फिजूल खर्ची नही कर हर बार जन्मदिन पर एक नवाचार के तौर पर गायो को हरा चारा, लापसी, वानर सेवा के साथ जो इस बार खास मुहिम चलाई है वह यह है की रात्रिकालीन में सड़क हादसों का शिकार हो रही गायों की सुरक्षा को लेकर सभी युवावर्ग गंभीर हो रहे है। छुट्टा पशुओं की वजह से होने वाले सड़क हादसों की घटनाओं को रोकने के लिए पीपाड़ शहर के मेहराम ने अनोखी पहल की है। जागरूक जनता के मुख्य संवाददाता व गौ प्रेमी मेहराम गहलोत ने बताया की शहर और आसपास ग्रामीण इलाको में अब विचरण करने वाले व छुट्टा घूमने वाले पशुओं के गले में और सिंगों में रेडियम की पट्टी डाली जाएगी, इसके तहत प्रतिदिन 15 से 20 पशुओं के गले में यह स्लोगन के साथ रेडियम का पट्टा बांधा जाएगा, ताकि रात के अंधेरे में रेडियम का पट्टा चमकने से सड़क पर बैठे जानवरों का पता चल सके। इस पट्टी का विमोचन जोधपुर राईका बाग स्थित युगल जोड़ी बाबा रामदेव मंदिर में राजगुरू श्री श्री 1008 सैनाचार्य अचलानंद गिरी महाराज के शुभ हाथों से किया गया उन्होंने कहा की इस पहल से सड़क पर बैठे रहने वाले पशुओं के कारण आए दिन हो रहे हादसों में कुछ हद तक विराम लग सकेगा और आम जन में गौ सेवार्थ हेतु अच्छा संदेश जायेगा। बता दें कि जानवरों के कारण होने वाले हादसों में जहां वाहन चालक चोटिल होता है, वहीं पशु भी घायल हो जाते हैं. बड़े वाहनों की टक्कर से तो कई पशुओं की मौत भी हो चुकी है. इससे आए दिन शहर और ग्रामीण इलाके में विवाद की स्थिति भी बन रही थी। इस अभियान के पोस्टर विमोचन के दौरान पेन्टर देवाराम जांगिड़, बाबा रामदेव समाज सेवा संस्थान सरदारपुर जोधपुर के अध्यक्ष समाजसेवी अशोक गहलोत, ए टु जेड संस्थान अध्यक्ष अरविंद टाक, सुनील वैष्णव, उत्कर्ष टाक , मनोहर, जयेश, करण गहलोत कार्यक्रम में मौजूद रहे। इस पहल के साथ पीपाड़ शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी कई गौ भक्त इस अभियान में जुड़ रहे हैं।

जल्द चलेंगी स्लीपर और मेट्रो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारतीय रेलवे फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के अंत तक वंदे भारत के दो और वर्जन पेश करने लिए मिशन मोड पर काम कर रहा है। रेलवे चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री वंदे भारत स्लीपर वर्ज के साथ-साथ वंदे मेट्रो कोच के उत्पादन के लिए प्रयास कर रही है। आईसीएफ का दौरा करने के बाद रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि वंदे भारत मेट्रो और स्लीपर कोच बनाने की प्रक्रिया अच्छे से चल रही है। गौरतलब है कि भारतीय रेलवे आईसीएफ के अलावा सेमी हाई स्पीड ट्रेनों को उत्पादन अपने दो कारखानों रायबरेली के मॉर्डन कोच फैक्ट्री और लातूर के मराठवाड़ा रेल कोच फैक्ट्री में भी करेगा। राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने 15 अगस्त, 2023 तक इन नए युग की ट्रेन की 75 सेवाएं को शुरू करने का टारगेट रखा है। वंदे भारत एक्सप्रेस का स्लीपर वर्जन 550 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए संचालित होगा। यह सुपरफास्ट ट्रेनों जैसे राजधानी, दुरंतो जैसी ट्रेनों की जगह लेगी. उम्मीद है की जा रही है कि स्लीपर यान वर्जन वाली ट्रेन फरवरी 2024 तक तैयार हो जाएगा।

बीकानेर में बनेगा आई-स्टार्ट इनोवेशन स्कूल हब

मुख्यमंत्री ने 52 करोड़ रुपए की दी स्वीकृति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के विद्यार्थियों और युवाओं में इनोवेशन स्किल बढ़ाने और उन्हें स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आई-स्टार्ट इनोवेशन स्कूल हब की स्थापना होगी। यह बीकानेर के महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में स्थापित होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 52.26 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी है। इस आई-स्टार्ट इनोवेशन हब में अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ इन्क्यूबेशन सेंटर, प्रयोगशाला, सभागार, टिंकरिंग लैब एवं एआर/वीआर सेटअप मिलेगा। यहां विद्यार्थियों को स्टार्टअप्स के लिए विशेषज्ञ प्रशिक्षित करेंगे। हब में वैज्ञानिक सिद्धांतों और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इनोवेशन स्कूल हब में राजीव गांधी सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (R-CAT) भी होगा। इसके जरिए कार्यक्रमों के माध्यम से बीकानेर के विज्ञान, इंजीनियरिंग,प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों, युवाओं और मिड कॅरियर पेशेवरों की योग्यता और रोजगार क्षमता बढ़ाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने वर्ष 2023-24 के बजट में विद्यार्थियों एवं ग्रामीण स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए बीकानेर में आई-स्टार्ट इनोवेशन स्कूल हब खोलने की घोषणा की थी।

साधवानी का जयपुर आगमन पर आत्मीय स्वागत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। लाल रिझूमल साधवानी एक बहुत ही सहज व्यक्तित्व है। साधवानी यूं तो अमरीका में रहने वाले प्रवासी भारतीय हैं। मगर वे साल में एक बार भारत जरूर आते हैं। भारत में भी जब तक जयपुर नहीं आते उनकी भारत यात्रा पूरी नहीं होती। अभी पिछले सप्ताह लाल साधवानी अपने परिवार सहित जयपुर आए। उनके साथ उनकी पत्नी गीता साधवानी, पुत्र वधू रंजू साधवानी, बेबी नेहा साधवानी एवं बाबा हैरी जूनियर भी जयपुर आए। लाल साधवानी का जयपुर आने पर पूज्य श्री सिंधी पंचायत संतश्री बाबा मेहरदास ट्रस्ट मुरलीपुरा में भावभीना स्वागत किया गया। ढोल ढमाकों के बीच मंदिर प्रांगण में आते ही उनके ऊपर पुष्प वर्षा की गई। लोगों ने उन्हें पुष्प मालाएं पहनाई और साधवानी सबसे गले मिलकर सबका अभिवादन स्वीकार कर रहे थे। अन्जान लोगों से भी साधवानी ऐसे मिल रहे थे जैसे कि ये सब उनके बहुत पुराने परिचित हों। बच्चों को इतना प्यार करते हैं कि उन्हें पता चला कि बच्ची का जन्म दिन है। उन्होंने होटल में उस बच्ची का जन्म दिन मनाकर गिफ्ट दिया जिसमें इष्टमित्रों सहित सिंधी समाज के काफी लोगों ने भाग लिया। स्वागत कार्यक्रम में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी एवं अन्य पदाधिकारियों सहित सिंधू सेना मुरलीपुरा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाबा मेहरदास की जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम

संत बाबा मेहरदास की जयंती पर तीन दिन तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए लाल साधवानी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सतगुरु स्वामी श्री बाबा मेहरदास की बरसी बड़े ही धूमधाम से मनाई जाएगी। तीन तक चलने वाले कार्यक्रमों में अखंड पाठ, आम भंडारा, कलश यात्रा, भजन कीर्तन एवं बाबा का गुणगान किया जाएगा। यह कार्यक्रम आगामी 22 से 24 अगस्त तक होंगे।

ANCHOR | **सांसदी बहाल**

राहुल गांधी को पुराना सरकारी बंगला वापस मिला

हाउसिंग कमेटी ने अलॉट किया 12 तुगलक लेन, राहुल बोले- मेरा घर पूरा हिंदुस्तान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को मंगलवार को पुराना सरकारी बंगला 12 तुगलक लेन वापस मिल गया। संसद की हाउसिंग कमेटी ने राहुल की सांसदी बहाल होने के एक दिन बाद बंगला अलॉट किया।राहुल गांधी जब कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे तो उनसे बंगला वापस मिलने पर सवाल किया गया। राहुल ने कहा- मेरा घर पूरा हिंदुस्तान है। 12 तुगलक लेन में राहुल गांधी 19 साल रहे। मोदी सरनेम मामले में 2 साल की सजा मिलने के बाद 22 अप्रैल 2023 को उन्हें ये बंगला खाली करना पड़ा था। राहुल 12 और 13 अगस्त को अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड भी जाएंगे। सांसदी बहाल होने के बाद यह उनका पहला वायनाड दौरा होगा।

मां सोनिया के बंगले में शिफ्ट हो गए थे राहुल गांधी

राहुल ने इसी साल 26 फरवरी को कांग्रेस के 85वें अधिवेशन में बताया था कि मेरे पास कोई घर नहीं है। राहुल 12, तुगलक लेन वाले सरकारी बंगले को खाली करने के बाद 10 जनपथ स्थित अपनी मां सोनिया गांधी के आवास में शिफ्ट हो गए थे।

2005 में अलॉट हुआ था 12, तुगलक लेन बंगला

राहुल गांधी 2004 में पहली बार अमेठी से सांसद बने। तब तक वो अपनी मां के साथ 10 जनपथ स्थित बंगले में रहते थे। सांसद बनने पर 2005 में उन्हें पहली बार 12 तुगलक लेन वाला बंगला अलॉट किया गया था। ये दिल्ली के लुटियंस जोन में स्थित टाइप-8 बंगला है, जो हाइएस्ट कैटेगरी है। इस आलीशान बंगले में 5 बेडरूम, 1 हॉल, 1 डायनिंग रूम, 1 स्टडी रूम और सर्वेंट क्वार्टर हैं। राहुल गांधी इस बंगले में एक प्राइवेट गृह प्रवेश के बाद शिफ्ट हुए थे। इस सेरेमनी में सोनिया, प्रियंका, रॉबर्ट समेत उनके करीबी लोग ही शामिल थे। इसकी कोई सार्वजनिक तस्वीर भी मौजूद नहीं है।

इसी बंगले में डॉग से खेल रहे थे राहुल, हिमंत बिस्वा सरमा पर ध्यान नहीं दिया

12 तुगलक लेन से जुड़ा एक चर्चित किस्सा 2016 का है। उस वक्त हिमंत बिस्वा सरमा कांग्रेस में थे। एक इंटरव्यू में में उन्होंने बताया कि वो असम की समस्याएं डिस्कस करने के लिए कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी से मिलने पहुंचे। राहुल उस वक्त अपने पालतू डॉग के साथ खेल रहे थे। राहुल ने हिमंत पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसी से नाराज होकर हिमंत ने कांग्रेस का साथ छोड़ दिया और BJP जॉइन कर ली।

भारत-चीन सीमा विवाद पर करेंगे बैठक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली/बीजिंग। भारत और चीन जल्द ही सीमा विवाद को लेकर बातचीत करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा- सीमा पर तनाव कम करने के लिए भारत और चीन के बीच बातचीत रुकी नहीं है और जल्द ही दोनों देशों के बीच बैठक होगी। जयशंकर के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले 3 सालों में तनाव के मुद्दों पर स्थिति बेहतर हुई है। विदेश मंत्री ने कहा- पिछले 9 सालों में मोदी सरकार ने बॉर्डर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर किया है। इसमें चीन के साथ लगने वाली सीमा पर भी हालात सुधरे हैं। हम बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के साथ भी अपनी कनेक्टीविटी बढ़ा रहे हैं।

केंद्र का फैसला : अमेरिका से MQ-9B ड्रोन खरीदे जाएंगे

सेना के ड्रोन्स में चाइनीज पार्ट्स के इस्तेमाल पर रोक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सेना के इस्तेमाल के लिए भारत में बनने वाले ड्रोन्स में अब चीन में बने पार्ट्स इस्तेमाल नहीं किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इस पर रोक लगा दी है। सिक्योरिटी के लिहाज से यह फैसला कुछ महीनों पहले किया गया, हालांकि जानकारी 8 अगस्त को जारी एक रिपोर्ट से सामने आई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार ने यह फैसला दोनों देशों के बीच बने तनाव के माहौल को देखते हुए किया है। सरकार भारतीय सेना को आधुनिक बनाने का काम कर रही है, इसमें मानव रहित क्वाडकॉप्टर, ऑटोनॉमस ड्रोन के साथ ही लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले ड्रोन शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक चीन में बने पार्ट्स इनकी जानकारी पड़ोसी देश को दे सकते हैं। इसलिए इन्हें बैन कर दिया गया है।

एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (ADE) के डायरेक्टर वाई दिलीप के मुताबिक, ADE मानवरहित स्टेल्थ ड्रोन और अधिक ऊंचाई तक उड़ने वाले ड्रोन पर काम कर रही है। हालांकि इसमें अभी काफी वक्त लगेगा। तब तक ड्रोन की कमी पूरी करने के लिए भारत अमेरिका से 31 MQ-9B ड्रोन खरीदेगा।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

IAS, IPS और IFS के किए गए तबादले, नए जिलों में OSD को जिम्मेदारी

सरकार ने नए जिलों में लगाए कलेक्टर-एसपी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने आईएएस-आईपीएस के तबादले किए। नए जिलों में कलेक्टर-एसपी और संभागीय आयुक्तों की नियुक्ति कर दी है। अधिकतर जगह पहले से कार्यरत विशेषाधिकारियों को ही कलेक्टर-एसपी व संभागीय आयुक्त लगाया गया है। बांसवाड़ा में नीरज के पवन को संभागीय आयुक्त व एस परिमला को आईजी, सीकर में डॉ मोहनलाल यादव को संभागीय आयुक्त व सत्येन्द्र सिंह को आईजी और पाली में वंदना सिंघवी को संभागीय आयुक्त व एचजी राघवेन्द्र सुहासा को आईजी लगाया गया हैं।

नए जिलों में लगाए कलेक्टर-एसपी

इसी तरह से सरकार ने नए जिलों भी कलेक्टर-एसपी लगा दिए हैं। बालोतरा में राजेन्द्र विजय कलेक्टर व हरिशंकर को एसपी, केकड़ी में खज़ान सिंह कलेक्टर व राजकुमार गुप्ता को एसपी, अनूपगढ़ में कल्पना अग्रवाल कलेक्टर व राजेन्द्र कुमार को एसपी, नीमकाथाना में श्रुति भारद्वाज को कलेक्टर व अनिल कुमार को एसपी, कोटपुतली-बहरोड़ में शुभम चौधरी को कलेक्टर व रंजीता शर्मा को एसपी, सांचौर में पूजा कुमारी पार्थ को कलेक्टर व सागर को एसपी, गंगापुरसिटी में अंजलि राजौरिया को कलेक्टर व देवेन्द्र कुमार विश्नोई को एसपी लगाया गया हैं। इसी तरह से डीडवाना-कुचामन में सीताराम जाट को कलेक्टर व प्रवीण नायक नूनावत को एसपी, डीग में शरद मेहरा को कलेक्टर व बृजेश ज्योति उपाध्याय को एसपी, खैरथल में ओमप्रकाश बैरवा को कलेक्टर व सुरेन्द्र सिंह को एसपी, फलौदी में जसमीत सिंह संधू को कलेक्टर व विनीत कुमार बंसल को एसपी, सलुम्बर में प्रताप सिंह को कलेक्टर व अरशद अली को एसपी, शाहपुरा में डॉ मंजू को कलेक्टर व आलोक श्रीवास्तव को एसपी, ब्यावर में रोहिताश्व सिंह तोमर को कलेक्टर व नरेन्द्र सिंह को एसपी और दूदू में अर्तिका शुक्ला को कलेक्टर व पूजा अवाना को एसपी लगाया गया हैं।

सरकार ने 15 IFS के भी किए तबादलें

आईएएस व आईपीएस के साथ सरकार ने देर रात 15 भारतीय वन सेवा अधिकारियों के भी तबादलें कर दिए। डॉ चंदाराम मीणा को मुख्य वन संरक्षक बांसवाड़ा, राम करन खेरवा को मुख्य वन संरक्षक सीकर, हनुमान राम को मुख्य वन बीकानेर, सुनील को मुख्य वन संरक्षक पाली, सुपांग शशी को हॉफ जयपुर, संग्राम सिंह कटियार को उप वन संरक्षक वन्यजीव जयपुर, गणेश कुमार वर्मा को उप वन संरक्षक भरतपुर, अजय चित्तौड़ा को उप वन संरक्षक उदयपुर उत्तर, राजेन्द्र कुमार हुड्डा को उप वन संरक्षक नीमकाथाना, मुकेश सैनी को उप वन संरक्षक सलूम्बर, अजीत उचोई को उप वन संरक्षक, प्रादेशिक जोधपुर, वेंकदोथ केतन कुमार उप वन संरक्षक प्रादेशिक जयपुर, सुरेश कुमार आबुसरिया उप वन संरक्षक अनूपगढ़, पवार सागर पोपट उप वन संरक्षक वन्यजीव जयपुर ग्रामीण और अभिमन्यू सहारण का उप वन संरक्षक अजमेर के पद पर तबादला किया हैं।

इसके अलावा इन आईएएस व आईपीएस के भी हुए तबादले

जगजीत सिंह मोगा को निदेशक सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता विभाग, अल्पा चौधरी को सचिव हाउसिंग बोर्ड, विश्राम मीणा को विशेषाधिकारी जयपुर ग्रामीण व हरजीलाल अटल को विशेषाधिकारी जोधपुर ग्रामीण लगाया गया हैं। इसके साथ ही भूपेन्द्र साहू को आईजी जेल, दीपक भार्गव को डीआईजी एसीबी जयपुर, शैलेन्द्र सिंह इंदौलिया को डीसीपी मुख्यालय पुलिस कमिश्नरेट के पद पर लगाया गया हैं।

72 रोगियों की हुई नि:शुल्क जांच

बिरला व्हाइट द्वारा नि:शुल्क स्त्री रोग जांच शिविर आयोजित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

खारिया खंगार। बिरला व्हाइट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन मे चलाए जा रहे कार्यक्रम के अन्तर्गत बिड़ला व्हाइट द्वारा आदित्य बिड़ला कम्युनिटी इनिशिएटिव एंड रूरल डेवलोपमेन्ट सेन्टर के तत्वावधान में ग्राम खारिया खंगार में स्त्री रोग स्वास्थ्य जांच शिविर से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पीपाड़ शहर प्रधान सोनिया चौधरी, बिड़ला व्हाइट के स्नेहसिस चंदा. महाप्रबंधक सी.एस.आर के मुख्य अतिथि में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कविता चौधरी ने तकरीबन 72 रोगियों को निःशुल्क इलाज कर उन्हें निःशुल्क दवाई दी गई।

इस मौके पर डॉक्टर कविता चौधरी ने बताया कि स्वास्थ्य रोगों का इलाज समय पर नहीं कराने से आगे चलकर व्यापक रूप ले लेते है। इलाज कराने के बाद ही इससे निदान पाया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने मरीजों को खानपान संबंधित सावधानी बरतने को कहा।

इस मौके पर पीपाड़ प्रधान सोनिया चौधरी ने कहा की बिड़ला व्हाइट का गाँव के विकास में हमेशा से सहयोग रहा है बिड़ला व्हाइट स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन करता आया है। जैसे की स्कूल में विद्यार्थियों की नेत्र जाँच शिविर, डेंटल कैम्प, चर्म रोग, ऑर्थोपाडिक कैम्प, नेत्र जाँच शिविर इत्यादि एवं लोगों से आग्रह किया की ग्रामवासी इस तरह के जांच शिविर में अधिक संख्या में आवे। प्रधान सोनिया चौधरी ने बिड़ला व्हाइट को धन्यवाद देते हुए कहा एवं आग्रह किया की आप इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित करते रहे। शिविर के दौरान कार्यक्रम में पी एच सी खारिया से डॉ. हनुमान छाबा, प्रियंका चौधरी, आंगनवाडी कार्यकर्ता संतोष सेन उपस्थित रही।

कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय आयोजन का शुभारंभ

खंडेलवाल समाज की ओर से सामूहिक श्री रामचरित मानस पाठ का भव्य शुभारंभ

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। समस्त खंडेलवाल समाज की ओर से पिंजरापोल गोशाला के सुरभि भवन में सामूहिक श्री रामचरित मानस पाठ के आयोजन की मंगलवार को भव्य शुरुआत हुई। आयोजन का शुभारंभ प्रातः संतों के सान्निध्य में गुलाब बिहार श्योपुर रोड से सुरभि भवन तक कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा व्यास पंडित श्याम महाराज ने उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को भक्ति के रस से सराबोर कर दिया।

गुलाब विहार से निकली विशाल कलश यात्रा

आयोजन की शुरुआत कलश यात्रा के साथ हुई। कलश यात्रा गुलाब विहार, श्योपुर रोड से प्रारंभ होकर सुरभि भवन तक पहुंची। रथों पर विराजमान संतों के नेतृत्व में कलश यात्रा बैंड बाजों की धुन पर पुष्प वर्षा के साथ निकाली गई, जिसमें महिलाएं अपने सिर पर कलश लेकर चल रही थीं और पुरुषों ने श्री रामचरित मानस पोथी को शिरोधार्य किया था। कलश यात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया।

शिव विवाह उत्सव का हुआ आयोजन

कथा के अंत में शिव विवाह उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सावन माह में शिवमयी भक्ति से डूबे श्रद्धालु विवाह

कथा सुनकर झूमते और थिरकते रहे।

श्री रामचरित मानस पाठ की हुई शुरुआत

सुरभि भवन का विशाल पंडाल उस समय भक्ति के जयघोष से गूंज उठा, जब श्रीमद् रामचरित मानस जी का नवाह्नपरायण दिव्य महोत्सव के अंतर्गत संगीतमयी श्री राम कथा की शुरुआत हुई। श्रद्धालुओं ने भारी उत्साह के साथ कथा व्यास के मधुर स्वरों का श्रवण और अनुसरण करते हुए श्री रामचरित मानस का पाठ किया।

16 अगस्त तक आयोजित होगा कार्यक्रम

श्री जानकीनाथ भगवान की विशेष करुणा कृपा से पुरुषोत्तम मास में कार्यक्रम स्थल पर 16 अगस्त तक प्रतिदिन सामूहिक श्री रामचरित मानस पाठ के साथ ही अलग–अलग कथाओं का आयोजन होगा। साथ ही बुधवार 9 अगस्त को खंडेलवाल समाज द्वारा पिंजरापोल गौशाला परिसर में गौ माता की ठाण का शिलान्यास कार्यक्रम भी आयोजित होगा।

महिला सुरक्षा, सलाह केन्द्र शुरू

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महिला अधिकारिता,महिला बाल विकास विभाग कोटा एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र थाना नयापुरा कोटा में कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप अधीक्षक शंकर लाल मीणा (सर्किल नयापुरा क्षेत्र) नयापुरा थाना सर्किल इंचार्ज रमेश कुमार मीणा, उप निदेशक महिला अधिकारिता विभाग कोटा से मनोज कुमार मीणा एवं आयोजक संस्था अध्यक्ष संजय कटारा विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के सानिध्य में किया गया। इस कार्यक्रम में संबोधित करते अधिकारियों द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न,घरेलू हिंसा, महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के दृष्टिकोण से महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की स्थापना की गई हैं।

उच्च अधिकारियों द्वारा रिबन काटकर केंद्र का संचालन किया गया। इस केंद्र पर महिलाओं के अत्याचार एवं उत्पीड़न प्राथमिकता से सुरक्षा प्रदान करने के दृष्टिकोण से महिला परामर्शदाता विधिक न्याय प्रक्रिया एडवोकेट अंतिमा शर्मा एवं सामाजिक कार्यकर्ता निशा शर्मा सहज सामाजिक वातावरण उपलब्ध कराने हेतु महिला परामर्शदाता को नियुक्त किया गया।

सरकार के खिलाफ उपवास पर बैठेंगे उपेन यादव: बोले- 24 घंटे में कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष की नियुक्ति करे सरकार

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष हरिप्रसाद शर्मा के इस्तीफे का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि शर्मा इस्तीफे के बाद से ही प्रक्रियाधीन भर्तियां अटक चुकी है। वहीं नई भर्तियों की विज्ञप्ति भी जारी नहीं हो पा रही है। ऐसे में अगर सरकार ने अगले 24 घंटों में नए अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं की। तो मैं 10 अगस्त को कर्मचारी चयन बोर्ड मुख्यालय पर उपवास पर बैठ जाऊंगा। उपेन में कहा कि हरिप्रसाद शर्मा को इस्तीफा दिए दो सप्ताह से ज्यादा का वक्त बीत गया है। शर्मा खुद इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि अगर वह खुद अध्यक्ष रहते हैं। तो भर्ती प्रक्रिया अटक सकती है। बावजूद इसके सरकार आंखें मूंद बैठी है। जिसका प्रदेश के बेरोजगार विरोध करते हैं। ऐसे में हम यही चाहते हैं कि न सिर्फ अध्यक्ष बल्कि बोर्ड सदस्यों की भी नियुक्ति की जाए। ताकि प्रदेश के युवाओं को जल्द से जल्द रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में 1 लाख नई भर्तियों की घोषणा की थी। लेकिन अब तक इनमें से एक भी पद पर भर्ती विज्ञप्ति जारी नहीं हुई है।

तोमर नेशनल एडवाइजरी कमिटी सदस्य नियुक्त

टोंक @ जागरूक जनता। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान, अविकानगर के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर को भारत सरकार के मत्स्य, पशुपालन एवं डेरी मंत्रालय द्वारा भेड़ बकरी के लिए देश में नेशनल एडवाइजरी कमिटी सदस्य नामांकित किया गया है। पशुपालन व डेयरी मंत्रालय के अधीन विभिन्न भारत सरकार की योजनाओं में निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर अपनी ओर से भेड़ बकरी पालन के विभिन्न योजनाओं पर किसान हित में सुझाव एवं अन्य उपयोगी योजना की वर्तमान के सन्दर्भ मे बेहतर बनाने में मदद करेंगे। नेशनल एडवाइजरी कमिटी मेंबर्स नामांकित होने पर अविकानगर संस्थान में सभी श्रेणी के स्टाफ के मध्य छाई खुशी। अविकानगर संस्थान के मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमर सिंह मीना ने जानकारी दी।

अगले साल जोधपुर में होगा राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो

हैंडीक्राफ्ट, फर्नीचर, टेक्सटाइल, गारमेंट और एग्रो प्रोडक्ट्स किए जाएंगे डिस्प्ले

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (आरईपीसी) बोर्ड मीटिंग उद्योग भवन में आयोजित की गई। बोर्ड मीटिंग की अध्यक्षता आरईपीसी एवं राजसिको अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने की। इस बोर्ड मीटिंग में अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। राजीव अरोड़ा ने मीटिंग में आगामी समय में होने वाले महत्पूर्ण आयोजनों और मुद्दों पर चर्चा की। बोर्ड मीटिंग में अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य वीनू गुप्ता, आरईपीसी के उपाध्यक्ष महावीर शर्मा, रीको प्रबन्ध निदेशक सुधीर कुमार शर्मा, आयुक्त, उद्योग एवं वाणिज्य ओम कसेरा, पर्यटन निदेशक डॉ रश्मी शर्मा, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त धीरज श्रीवास्तव, आरईपीसी नवनियुक्त सीईओ सीबी नवल और उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए। अरोड़ा ने तीन नए मेम्बरों को बोर्ड से परिचित कराया, जिसमें पर्यटन निदेशक, आयुक्त राजस्थान फाउंडेशन, आयुक्त एग्रीकल्चर मार्केटिंग शामिल है। अरोड़ा ने बताया की 4 से 6 मार्च 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल एक्सपो का जोधपुर में आयोजन किया जाएगा। पिछले साल हुए राजस्थान इंटरनॅशनल एक्सपो की सफलता का परिणाम है कि इस साल आरईपीसी ने लगभग 80,000 करोड़ तक का निर्यात किया है।

ANCHOR | केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान

मद-समाकालीन एवं कृत्रिम गर्भधान पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के एडिशनल डायरेक्टर जनरल (एडीजी) डॉ. जी. के. गौड़, डॉ सुमंत व्यास काजरी जोधपुर के विभागअध्यक्ष लाइवस्टोक प्रोडक्शन एवं रिसोर्स मैनेजमेंट एवं डॉ सुशील चतुर्वेदी प्रधान वैज्ञानिक केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान मेरठ द्वारा जम्मू के 10 जिलों से आये 20 पशु चिकित्सकों के लिए मद-समकालीन एवं कृत्रिम गर्भधान के ऊपर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रेनिंजी को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र का वितरण कार्यक्रम के समन्वक, निदेशक महोदय एवं अविकानगर के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ गौड़ ने सभी प्रशिक्षणार्थियों से निवेदन किया कि आपने जो नॉलेज यहां पर सीखी है उसको जम्मू क्षेत्र के भेड़ बकरी पालक किसानों तक ले जाना है। तथा सभी अविकानगर के वैज्ञानिकों से निवेदन किया कि देश में मांस की पैदावार की पूर्ति करने के लिए प्रति एनिमल उत्पादकता को बढ़ाने की दिशा मे काम करने की जरूरत है। अविकानगर संस्थान के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर ने भी सभी ट्रेनिंज से संस्थान के एंबेसडर के रूप में संस्थान की उन्नत तकनीक को जम्मू क्षेत्र के भेड़ बकरियों एवं खरगोश पालक किसानों तक ले जाने के लिए सभी प्रशिक्षणार्थियों को निवेदन किया। साथ में कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को संस्थान में विभिन्न विभागों में विकसित उन्नत तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया तथा बताया कि संस्थान भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राष्ट्रीय पशुधन मिशन एवं अन्य योजनाओं में अपना बेहतर सहयोग कर रहा है, जिससे देश के भेड़ बकरी पालक किसान वैज्ञानिक तरीके से भेड़ बकरी पालन करके अपनी आजीविका बढ़ाकर आत्मनिर्भर भारत में सशक्त और सक्षम होकर योगदान देंगे। प्रशिक्षण के समापन के समय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ सुरेश चंद्र शर्मा, डॉ अजीत सिंह महला, डॉ. सत्यवीर सिंह डांगी तथा विभागअध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह, डॉ अजय कुमार, डॉ अरविंद सोनी, डॉ. विजय कुमार व डॉ अमरसिंह मीना ने भी प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से फीडबैक लिया। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने जम्मू से शीप हस्बैंडरी डिपार्टमेंट को धन्यवाद देते हुए अविकानगर संस्थान के वैज्ञानिकों के द्वारा प्रायोगिक रूप से आयोजित इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को माध्यम से उनके ज्ञान में वृद्धि के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया द्य तथा सभी जम्मू के प्रशिक्षणार्थियों ने निदेशक को आश्वस्त किया कि हम यह तकनीकी जम्मू में जाकर सभी भेड़ व बकरी पालक किसानों तक राज्य सरकार की योजना अनुसार लेकर जाएंगे। अविकानगर संस्थान के मीडिया प्रभारी डॉ अमर सिंह मीना ने जानकारी दी।